RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

# सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा



श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम



स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:228 ता. 07 मार्च 2023, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत ( गुजरात ) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi


## शिवराज के जन्मदिन पर मोदी-शाह ने दी बधाई

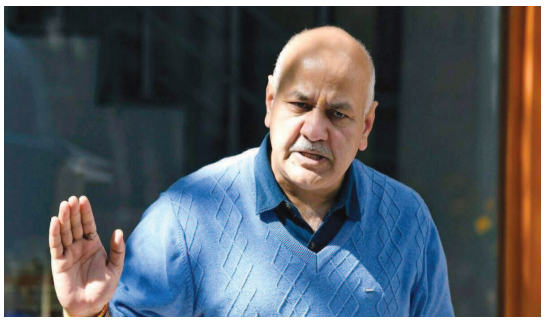

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आज जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। मोदी ने अपने ट्वीट में कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान मध्यप्रदेश को प्रगति के नए सोपान पर ले जा रहे हैं। ईश्वर से उनके दीर्घायु होने की कामना है। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि मध्यप्रदेश के विकास के प्रति श्री चौहान की लगन और समर्पण प्रशंसनीय है।

वे इसी समर्पित भाव से प्रदेश की जनता के कल्याण के लिए कार्य करते रहें, ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु होने की कामना है। वहीं भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने श्री चौहान से यहां मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा और पार्टी के प्रदेश महासचिव भगवान दास सबनानी भी उपस्थित रहे।चौहान का आज जन्मदिन है। आज इस अवसर पर प्रदेश भर में महिलाएं पौधरोपण करेंगी। इसके अतिरिक्त आज ही प्रदेश की महत्वाकांक्षी लाड़ली बहना योजना की भी शुरुआत होने वाली है।

# मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी पर विपक्ष के 9 नेताओं ने पीएम मोदी को लिखा पत्र



**नई दिल्ली।** दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी को लेकर 9 विपक्षी नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखी है। इन नेताओं में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल हैं। चिट्ठी में लिखा है कि मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी यह दिखाती है कि भारत एक लोकतांत्रिक देश से तानाशाही शासन में तब्दील हो गया है। दरअसल, शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सिसोदिया की पेशी हुई थी। यहां उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई होनी थी, लेकिन कोर्ट ने 10 मार्च तक के लिए जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया और CBI को उनकी दो दिन की रिमांड और दे दी।

**चिट्ठी लिखने वाले 9 नेता**-बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, BRS चीफ के चंद्रशेखर राव, पंजाब के सीएम भगवंत मान, राजद नेता तेजस्वी यादव, नेशनल कॉन्फ्रेंस लीडर फारूक अब्दुल्ला, राकांपा चीफ शरद पवार, शिवसेना ठाकरे ग्रुप के चीफ उद्धव ठाकरे, सपा चीफ अखिलेश यादव।

### प्रधानमंत्री को लिखी गई पूरी चिट्ठी...

आदरणीय प्रधानमंत्रीजी, हमें भरोसा है कि आपको आज भी लगता है कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का मनमाना इस्तेमाल यह दिखाता है कि हम एक लोकतंत्र से तानाशाही में तब्दील हो गए हैं। लंबी तलाश के बाद 26 फरवरी 2023 को मनीष सिसोदिया को CBI ने गिरफ्तार कर लिया। कथिततौर पर गड़बड़ी के आरोप में ये गिरफ्तारी की गई और वह भी बिना कोई सबूत दिखाए। सिसोदियाजी के खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह बेबुनियाद है। यह राजनीतिक षडयंत्र के तहत की गई कार्रवाई है। इस गिरफ्तारी ने पूरे देश की आवाम को गुस्से से भर दिया है। दुनियाभर में मनीष सिसोदिया दिल्ली स्कूल एजुकेशन में बदलाव के लिए पहचाने जाते हैं। उनकी गिरफ्तारी को दुनियाभर में बदले की भावना से की गई राजनीतिक कार्रवाई के उदाहरण के तौर पर देखा जा रहा है। इससे वह बात भी पुष्ट हो रही है, जिसके बारे में पूरी दुनिया आशंकित है कि भाजपा के तानाशाही शासन के दौरान भारत के लोकतांत्रिक मूल्य खतरे में हैं। आपके शासन में 2014 से अब तक जितने राजनेताओं की गिरफ्तारी हुई, छापे मारे गए या पूछताछ हुई, उनमें ज्यादातर विपक्षी नेता हैं। मजेदार बात यह है कि उन विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की जांच धीमी पड़ जाती है, जो बाद में भाजपा जॉइन कर लेते हैं। उदाहरण के तौर पर पूर्व कांग्रेस नेता और असम के मौजूदा सीएम हेमंत बिस्व सरमा। सीबीआई और ईडी ने 2014-2015 में शारदा चिटफंड घोटाले में उनके खिलाफ जांच शुरू की। हालांकि जबसे उन्होंने भाजपा जॉइन की, तब से केस आगे नहीं बढ़ा है। इसी तरह नारदा स्टिंग ऑपरेशन केस में तृणमूल नेता शुभेंदु अधिकारी और मुकुल रॉय ED और CBI के रडार पर थे। विधानसभा चुनाव से पहले इन लोगों ने भाजपा जॉइन कर ली और तब से केस में कोई खास तरक्की नहीं हुई है। महाराष्ट्र के नारायण राणे केस को ले लीजिए। ऐसे कई उदाहरण हैं। 2014 से विपक्षी दलों के नेताओं पर छापेमारी, उनके खिलाफ मामले और उनकी गिरफ्तारी में इजाफा हुआ है। चाहे वे राष्ट्रीय जनता दल के लालू प्रसाद यादव हों, शिवसेना के संजय राउत हों, समाजवादी पार्टी के आजम खान हों, हृष्टक्के नवाब मलिक और अनिल देशमुख हों या तृणमूल के कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, इन सभी नेताओं के खिलाफ जांच एजेंसियों ने जिस तरह की कार्रवाई की है, उससे संदेश पैदा होता है कि केंद्र सरकार के अंतर्गत काम कर रही हैं। ऐसे कई मामलों में केस या गिरफ्तारी तब हुई जब चुनाव होने वाले थे। इससे ये साफ पता चलता है कि जांच एंजेसियों के ये एक्शन पॉलिटिकली मोटिवेटिड थे। जिस तरीके से विपक्ष के प्रमुख नेताओं को टारगेट किया जा रहा है, उससे इस आरोप को बल मिलता है कि आपकी सरकार जांच एजेंसियों की मदद लेकर विपक्ष को खत्म करने की कोशिश कर रही है। जिन एंजेसियों का दुरुपयोग करने का आपकी सरकार पर आरोप लगता है उसमें ED अकेली नहीं है। साफ है कि इन एजेंसियों की प्राथमिकताएं गलत हैं। एक इंटरनेशनल फॉरेंसिक फाइनेंशियल रिसर्च रिपोर्ट के बाद SBI और LIC ने एक कंपनी के चलते अपने शेयरों के मार्केट कैपिटलाइजेशन में 78 हजार करोड़ रु से ज्यादा गंवा दिए हैं। इन जांच एजेंसियों को इस कंपनी की आर्थिक विसंगतियों की जांच करने के लिए क्यों नहीं लगाया गया है, जबकि इस कंपनी में जनता का पैसा लगा है?

## युद्धपोत विक्रांत पर नौसेना के कमांडरो को संबोधित करेंगे राजनाथ

**नयी दिल्ली।** नौसेना के शीर्ष कमांडरो का सम्मेलन सोमवार से शुरु हो रहा है और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आई एन एस विक्रांत पर कमांडरों को संबोधित करेंगे। यह पहला मौका है जब नौसेना के शीर्ष कमांडरों का सम्मेलन समुद्र में हो रहा है और श्री सिंह सम्मेलन के पहले दिन स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर शीर्ष कमांडरों को संबोधित करेंगे। वर्ष में दो बार होने वाला यह सम्मेलन नौसेना के कमांदरों को महत्त्वपूर्ण सुरक्षा मुद्दों पर सामरिक तथा सैन्य स्तर पर सरकार में शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा का मंच उपलब्ध कराता है। सम्मेलन के दौरान प्रमुख रक्षा अध्यक्ष , नौसेना प्रमुख, थलसेना प्रमुख और वायु सेना प्रमुख भी शीर्ष कमांडरों को संबोधित करेंगे।

# घपलेबाज को ले रखा है केन्द्रीय मंत्रिमंडल में-गहलोत

**जयपुर।** राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को घपलेबाज बताते हुए कहा है कि अफसोस है कि ऐसे घपलेबाज को मंत्रिमंडल में कैसे ले रखा है।

श्री गहलोत ने शनिवार को एसएमएस मेडिकल कालेज की प्लेटिनस जुबली के अवसर पर मीडिया से बातचीत में श्री शेखावत के उन पर मानहानि का दावा पेश करने के मामले में यह बात कही।

उन्होंने कहा श्री शेखावत करें मानहानि का केस, हम तो स्वागत करेंगे क्योंकि इसी बहाने यह केस आगे बढ़ेगा, भला होगा उन गरीबों का जो चर्चा में ही नहीं थे, लोगों का पैसा डूब गया है, तो यह इश्यू नेशनल लेवल पर बनेगा। मैं चाहता हूं प्रधानमंत्री एवं अमित शाहजी तक बात जाए।

उन्होंने कहा छापे डाल रहे हैं हिंदुस्तान भर में ईडी वाले, छापे का केस तो यह परफेक्ट है.. मुझे



अफसोस इस बात का है कि प्रधानमंत्री या केन्द्रीय गृह मंत्री की नॉलेज में नहीं आया क्या इतना बड़ा घपला। ऐसे घपलेबाज को कैसे रखते हो आप अपने केंद्रीय मंत्रिमंडल में, यह बहुत बड़ा सवाल है। श्री गहलोत ने कहा आज यह केंद्रीय मंत्री बने हैं, इनको शर्म आनी चाहिए थी कि मंत्री बनने के बाद में मेरी जिम्मेदारी बढ़ जाती है, तो मैं आगे बढ़कर सबको बुलाऊ, बातचीत करू, संजीवनी के जो लोग जेलों में बैठे हुए हैं उनकी प्रॉपर्टी है उनके लिए सहयोग करते, ईडी ही सिर्फ जब्त कर सकती है उसे, एसओजी नहीं कर सकती है।

उन्होंने कहा कि अगर एसओजी संपत्ति जब्त कर सकती तो अब तक इस मामले में संपत्ति जब्त कर पीड़ितों के जितने हो सके उतने पैसे लौटाकर उन्हें राहत पहुंचा देते।

उन्होंने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहकारिता मंत्री भी है और सोसाइटियां उनके अंडर में है, पांच बार ईडी को लिखा जा चुका है पर वे केस नहीं ले रहे है।

## 'आवारा कुत्तों को असम भेजो, वो खा जाते हैं'

# महाराष्ट्र के विधायक की अजीबो-गरीब सलाह

**मुंबई।** महाराष्ट्र के एक विधायक ने बढ़ रही आवारा कुत्तों की संख्या को काबू में करने के लिए अजीबो-गरीब सलाह दी है। प्रहार जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और विधायक बच्चू कडू ने कहा कि कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए आवारा कुत्तों को असम भेज देना चाहिए। कडू के मुताबिक, असम में स्थानीय लोग कुत्तों को खाते हैं। कडू राज्य विधानसभा में आवारा कुत्तों के कारण होने वाली समस्याओं के संबंध में विधायक प्रताप सरनाइक और अतुल भातखलकर द्वारा उठाए गए प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान बोल रहे थे। बच्चू कडू ने सड़कों पर आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण के लिए सुझाव देते हुए कहा कि यह



प्रयोग शुरू किया जाना चाहिए। इंडिया टुडे के मुताबिक, उन्होंने कथित तौर पर कहा, असम में आवारा कुत्तों की मांग है। वे इसके लिए ? 8,000 तक खर्च कर रहे हैं। राज्य में आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए उन्हें असम भेजा जाना चाहिए। विधायक की टिप्पणियों ने पशु अधिकार कार्यकर्ताओं के साथ तीखी प्रतिक्रियाएं शुरू कर दी हैं। कडू के सुझाव को अमानवीय और अपमानजनक बताया है। गौरतलब है कि इसी तरह की एक टिप्पणी में झारखंड के भाजपा विधायक बिरंची नारायण ने हाल ही में आवारा कुत्तों के लोगों पर हमला करने का मुद्दा उठाया था और कहा कि अगर राज्य सरकार समस्या का समाधान नहीं ढूंढ पाती है, तो नगालैंड के लोगों को बुलाओ और समस्या दूर हो जाएगी। बोकारो से बीजेपी विधायक ने बजट सत्र के दौरान राज्य विधानसभा में दावा किया कि अकेले रांची के डॉग बाइट सेंटर में रोजाना करीब 300 लोग पहुंचते हैं।

बिरंची ने यह भी कहा कि कुत्ते और पालतू पशु प्रेमी बिना वैध लाइसेंस के उन्हें गोद ले रहे हैं। बोकारो में आवारा कुत्तों को पकड़ने, उनका इलाज करने और उनकी नसबंदी करने की कोई व्यवस्था नहीं है।

## भुवनेश्वर से अजमेर और पुष्कर के लिए रवाना हुई तीर्थ यात्रा ट्रेन

**भुवनेश्वर।** ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से राजस्थान के अजमेर और पुष्कर के लिए विशेष वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। तीर्थयात्रियों को आभासी माध्यम से बधाई देते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा है कि इस बार 900 तीर्थयात्रियों सहित 1,000 यात्री अजमेर और पुष्कर जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी के कारण दो साल से अधिक समय बाद यह यात्रा दोबारा शुरू हुई है। चालू वर्ष के दौरान सात चरणों में सात हजार तीर्थयात्रियों को विभिन्न गंतव्यों पर भेजने की व्यवस्था की गई है।ओडिशा सरकार ने 25 जुलाई, 2016 को वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना शुरू की, ताकि चयनित वरिष्ठ नागरिकों को देश में पवित्र स्थानों की यात्रा करने में मदद मिल सके। इस योजना के तहत अब तक 16,500 वरिष्ठ नागरिकों ने देश भर में कई धार्मिक स्थलों का दर्शन किया है।

# जेटपैक सूट की मदद से अब सीमा पर हवा में उड़ान भरेंगे भारतीय सैनिक

**नई दिल्ली।** चीन और पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों में सामरिक मजबूती के मकसद से भारतीय सेना ने एक ब्रिटिश कंपनी के जेटपैक सूट का परीक्षण शुरू कर दिया है। हाल ही में भारतीय सेना के आगरा स्थित एयरबोर्न ट्रेनिंग स्कूल (एएटीएस) में इस सूट का प्रदर्शन किया गया। सेना ने विशेष परिस्थितियों में सीमा पर तैनाती के लिए 48 जेटपैक सूट खरीदने का फैसला किया है। सेना को जेटपैक सूट मिलने के बाद भारतीय सैनिक सीमावर्ती और दुर्गम क्षेत्रों में एक जगह से उड़कर दूसरी जगह जा सकेंगे।

भारतीय सेना ने अपनी सूची में हाईटेक उपकरण शामिल करने के लिए 48 जेटपैक सूट खरीदने के लिए 24 जनवरी को निविदा जारी की थी। यह खरीद आपातकालीन प्रावधानों और फास्ट-ट्रैक प्रक्रियाओं के तहत की जानी है। इस कंपनी ने जेटपैक सूट



विकसित किये हैं, जिनका परीक्षण सेना के आगरा स्थित एयरबोर्न ट्रेनिंग स्कूल (एएटीएस) में किया गया है। जेटपैक सूट का परीक्षण ऐसे समय में हो रहा है, जब भारतीय सेना मई, 2020 में पूर्वी लद्दाख सीमा पर चीन के साथ लगभग 3,500 किमी. लम्बी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ अपने निगरानी तंत्र को बढ़ा रही है।

आगरा के एयरबोर्न ट्रेनिंग स्कूल में ब्रिटिश कंपनी ग्रेविटी इंडस्ट्रीज के संस्थापक रिचर्ड ब्राउनिंग ने अपनी कंपनी के जेटपैक सिस्टम का प्रदर्शन किया है। परीक्षण वीडियो में ब्राउनिंग को जेटपैक सूट पहनकर हवा में आसानी से नेविगेट करते हुए देखा जा सकता है।निविदा के मुताबिक जेटपैक सूट बनाने वाली कंपनी को कम से कम दस साल के लिए इनका रखरखाव प्रबंधन भी करना होगा। सैन्य अधिकारियों के अनुसार यह उत्पाद मेक इन इंडिया प्रावधानों के तहत सेना को आपूर्ति किये जाएंगे।

सेना ने निविदा में निर्दिष्ट किया है कि जैक पैक सूट को सुरक्षित चढ़ाई, सुरक्षित टेक-ऑफ और लैंडिंग और सभी दिशाओं में अटैक करने में सक्षम होना चाहिए। इसकी अधिकतम गति 50 किमी. प्रति घंटा तथा तकनीकी रूप से 12 हजार फीट की ऊंचाई तक पहुंचने में सक्षम होना चाहिए। साथ ही 80 किग्रा. भार के साथ न्यूनतम 8 मिनट की उड़ान का समय होना चाहिए। प्रत्येक जेटपैक की शेल्फ लाइफ 10 साल होनी चाहिए। पूरे सिस्टम का कुल वजन (मानव को छोड़कर) 40 किलोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए।

सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम के बाद भारत तीसरा देश बन जाएगा, जिसके पास जेटपैक सैनिक होंगे। सेना के सूत्रों ने कहा कि इनका इस्तेमाल चीन और पाकिस्तान से लगी सीमाओं के अलावा कई जगहों पर किया जा सकता है। यूनाइटेड किंगडम के रॉयल मरीन भी जेटपैक का उपयोग कर रहे हैं। एक जेटपैक सूट में आम तौर पर हथियारों से जुड़े तीन छोटे जेट इंजन होते हैं। यह इंजन विशेष रूप से डिजाइन किए गए सूट या हार्नेस के पीछे होते हैं, जिनसे पहनने वाले सैनिक अपनी उड़ान की दिशा को नियंत्रित कर सकते हैं।

# आज से खुलेगा आश्रम फ्लाईओवर, जाम से मिलेगी निजात

## मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सोमवार को 12 बजे इसका उद्घाटन करेंगे।

**नई दिल्ली।** जो लोग रिंग रोड पर आश्रम की ओर से सराय काले खां और डीएनडी से नोएडा के लिए आवागमन करने के लिए पिछले कई माह से जाम में फंस रहे हैं, उन्हें बड़ी राहत मिलने जा रही है।जनता की परेशानी को देखते हुए दिल्ली सरकार ने रिंग रोड पर बन रहे आश्रम विस्तार फ्लाईओवर का सोमवार को उद्घाटन करने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सोमवार को 12 बजे इसका उद्घाटन करेंगे। हालांकि फ्लाईओवर का अभी काम बचा हुआ है, जो एक माह में पूरा हो सकेगा। लोक निर्माण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि कोशिश की जाएगी कि सोमववार को ही दोपहर बाद इसे जनता के लिए खोल दिया जाए, अगर ऐसा नहीं किया जा सका तो मंगलवार यानी सात मार्च से हर हाल में इसे जनता के उपयोग के लिए खोल दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि फ्लाईओवर पर बिजली के खंभे लगाने के लेकर और भी छोटा मोटा काम बचा है जो आगे किया जाता रहेगा। उन्होंने बताया कि फ्लाईओवर पर अभी दिन के समय ही यातायात का संचालन किए जाने की योजना है। रोशनी की व्यवस्था हो जाने पर इसे रात में भी शुरू कर दिया जाएगा।

**28 फरवरी तक काम पूरा करने का था प्लान**-फ्लाईओवर का काम पूर होने के बाद इसके नीचे सड़क को ठीक करने का काम किया जाएगा।

इससे पहले तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने इस फ्लाईओवर का काम 28 फरवरी को पूरा कर लेने का लोक निर्माण विभाग को लक्ष्य दिया था, मगर इस तारीख तक फ़्लाईओवर की मुख्य सड़क का काम पूरा नहीं हो सका था, हालांकि पुराने आश्रम फ्लाईओवर और अब बनाए जा रहे आश्रम विस्तार फ्लाईओवर को जोड़ने का काम अभी भी चल रहा है। मगर रविवार दोपहर तक इसे हर हाल में पूरा कर लिया जाएगा। विभाग रात दिन इस पर काम कर रहा है। अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस फ्लाईओवर की सोमवार को उद्घाटन करने की तारीख तय की है। लोक निर्माण विभाग के पूर्व प्रमुख अभियंता दिनेश कुमार कहते हैं कि बगैर रोशनी की व्यवस्था किए किसी भी फ्लाईओवर को शुरू कर देने कर प्रविधान नहीं है, मगर जाम की समस्या को देखते हुए दिन के समय फ्लाईओवर पर यातायात शुरू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह प्रयोग शास्त्रीपार्क में बने फ्लाईओवर पर भी दो साल पहले किया गया था। इस फ्लाइओवर का काम पूरा होने से नोएडा के साथ दिल्ली के अन्य हिस्सों से दक्षिणी दिल्ली आने-जाने वाले लाखों लोगों को जाम से मुक्ति मिल जाएगी।नोएडा व गाजियाबाद से दक्षिणी दिल्ली आने-जाने वाले वाहनों को डीएनडी लूप से आश्रम चौराहे तक जाने के लिए जाम से जूझना पड़ता है।इसके चालू होने पर लोगों को राहत मिलेगी।

## तमिलनाडु में बिहारियों के साथ मारपीट, पीके ने नीतिश से पूछा एफआईआर का स्टेटस

नई दिल्ली । चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने तमिलनाडु में बिहारियों के साथ मारपीट की घटना का एक वीडियो रिट्वीट किया है। पीके ने तमिलनाडु में बिहारियों पर हो रहे हमले के मामले में तमिलनाडु रेलवे पुलिस के ट्विटर हैंडल से ट्वीट किए गए वीडियो को रिट्वीट करते हुए लिखा, कि यह वीडियो तमिलनाडु रेलवे पुलिस ने 16 फरवरी को शेयर किया है। स्टालिन सरकार के डीजीपी को जीआरपी चेन्नई में रजिस्टर्ड इस एफआईआर के स्टेटस के बारे में भी बताना चाहिए। इसके पहले उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव विधानसभा के भीतर तमिलनाडु में बिहारियों पर हमले को नकार चुके हैं। इतना ही नहीं वायरल हो रहे कई वीडियोज को फेक बता चुके हैं। इधर, पीके इस मुद्दे पर लगातार मुखर दिख रहे हैं। उन्होंने सिवान में एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा था कि वे 2 दिनों के भीतर एक वीडियो जारी करुंगा। गौरतलब है कि बीते गुरुवार सुबह से ही तमिलनाडु में हुई कथित घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा था। इस घटना की खबर अखबारों में भी छप गई। अखबारों की खबरों का हवाला देकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तमिलनाडु की घटना पर चिंता जताते हुए ट्वीट कर दिया था। साथ ही मुख्य सचिव और डीजीपी को तमिलनाडु के आला अधिकारियों से बात करने और वहां काम करने वाले बिहार के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दे दिया। हालांकि, कुछ घंटे बाद तमिलनाडु पुलिस ने दावा किया कि बिहार के मजदूरों को मारे जाने के संबंध में सोशल मीडिया पर जो वीडियो चल रहे थे, वे फर्जी हैं।

## को ओमान में नौकरी का झांसा देकर देह व्यापार में धकेलने के आरोप में दो गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक महिला को ओमान में नौकरी दिलाने का झांसा देने और उसे वहां देह व्यापार में धकेलने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। काशिमीरा पुलिस थाने के वरिष्ठ इंस्पेक्टर संदीप कदम ने बताया कि 43-वर्षीय अविवाहित महिला ने एक ऑनलाइन जॉब पोर्टल पर एक विज्ञापन देखा और नौकरी के लिए आवेदन दिया, जिसके बाद आरोपी ने उसे कई पेशकश दी और पिछले साल जुलाई में ओमान भेजने की पेशकश भी उनमें से एक थी। उन्होंने कहा, ''जब महिला वहां पहुंची तो उसे हवाई अड्डे से एक बंगले में ले जाया गया। उसे पता चला कि वहां देह व्यापार का एक गिरोह चल रहा है। जब उसने भागने की कोशिश की तो उसे पीटा गया। उसे ओमान भेजने वाले यहां के दो एजेंट ने उससे बात करना बंद कर दिया।'' उन्होंने कहा, ''महिला को पता चला कि दोनों एजेंट ने उसे भेजने के लिए ओमान में अपने साथियों से तीन लाख रुपये लिये हैं। उसे वहां एजेंट को 1.65 लाख रुपये देने के बाद पिछले साल अगस्त में भारत आने दिया गया।'' कदम ने बताया कि महिला की शिकायत पर हाल में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और इस गिरोह की जांच की जा रही है।

## पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल पर टूटा दुखों का पहाड़, लाइसेंसी रिवॉल्वर से भाई ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। महाराष्ट्र के लातुर में पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल चाकुरकर के भाई ने अपने घर पर आत्महत्या कर ली है। उन्होंने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद की हत्या कर ली। मृतक की पहचान 81-वर्षीय हनमंतराव पाटिल के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक हनमंतराव पाटिल को चंद्रशेखर पाटिल के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने सुबह अपने घर पर लगभग नौ बजे लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इसम मामले में पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान हनमंतराव पाटिल के रूप में हुई है जो कि पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल चाकुरकर के रिश्ते के भाई थे। बता दें कि घटना की जानकारी मिलने के बाद से ही पूरे शहर में हड़कंप मचा हुआ है। जानकारी के मुताबिक चंद्रशेखर यानी हनमंतराव पाटिल ने देवघर स्थित घर में खुद को गोली मारी है। उन्होंने घटना को अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से अंजाम दिया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस जांचने में जुटी हुई है कि मृतक ने ये कदम क्यों उठाया। कहा जा रहा है कि हनमंतराव आदर्श कॉलोनी में रहते थे, यहां उन्होंने खुद की जान ले ली है। पुलिस ने घटनास्थल पर पुहंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जांच में सामने आया है कि हनमंतराव बीते काफी लंबे समय से बीमारी से भी पीड़ित थे।

## एंटीबायोटिक दवाओं से रहें सावधान : आईसीएमआर

नई दिल्ली । भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के विशेषज्ञों ने कहा कि भारत में पिछले 2-3 महीने से लगातार खांसी और किसी-किसी मामले में बुखार के साथ खांसी होने का कारण इन्फ्लुएंजा ए का उपस्वरूप (सब वेरिएंट) एच3एन2 है। आईसीएमआर के वैज्ञानिकों ने कहा कि पिछले 2-3 महीने से व्यापक रूप से व्याप्त एच3एन2 अन्य उपस्वरूपों की तुलना में रोगी के अस्पताल में भर्ती होने का बड़ा कारण है। आईसीएमआर वायरस रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लैबोरेटरीज नैटवर्क के माध्यम से श्वसन वायरस के कारण होने वाली बीमारियों पर कड़ी नजर रखे हुए है। उन्होंने वायरस से लोगों को बचाने के लिए एक सूची जारी की है, जिसमें बताया गया है कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। दूसरी ओर इंडियन मैडीकल एसोसिएशन ने देशभर में खांसी, जुकाम और जी मिचलाने के बढ़ते मामलों के बीच एंटीबायोटिक दवाओं के अत्यधिक उपयोग को लेकर आगाह किया है। एमआईए ने कहा कि मौसमी बुखार 5 से 7 दिनों तक रहेगा। एमआईए की एक स्थायी समिति ने कहा कि बुखार 3 दिन में खत्म हो जाएगा, लेकिन खांसी तीन हफ्ते तक बरकरार रह सकती है।

## पुलवामा हमले में शहीद तीन जवानों की विधवाओं ने जीवन लीला समाप्त करने की अनुमति मांगी

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में 2019 में हुए आतंकवादी हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के तीन जवानों की विधवाओं ने राजस्थान सरकार पर उनसे किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाते हुए राज्यपाल कलराज मिश्र से अपनी जीवन लीला समाप्त करने की अनुमति मांगी है। भाजपा के राज्यसभा सदस्य किरोड़ी मीणा ने शनिवार को यह दावा किया। मीणा पिछले कुछ दिनों से शहीदों के परिजनों के साथ यहां धरने पर बैठे हैं। सांसद मीणा शहीदों की विधवाओं के साथ राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपने राजभवन गये थे। राजभवन से बाहर आने के बाद वे मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोक लिया। सांसद ने ट्वीट किया है, '' शनिवार को तीनों वीरांगनाओं के साथ राज्यपाल कलराज मिश्र जी को ज्ञापन देने राजभवन गया था। ज्ञापन सौंपने के बाद वीरांगनाएं मुख्यमंत्री जी से मिलने के लिए मुख्यमंत्री आवास की ओर पहुँची तो पुलिस ने उनके साथ अभद्रता व मारपीट की गई।'' उन्होंने कहा, ''इसमें पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए रोहिताश्व लांबा की पत्नी वीरांगना मंजू जाट घायल हो गईं। उन्हें एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'' भाजपा नेता ने कहा कि शहीदों के परिवारों की जायज मांगों को पूरा करने के बजाय राज्य सरकार तानाशाही कर रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ''पुलिस ने उनके साथ उस समय भी दुर्व्यवहार किया जब वे हाल ही में विधानसभा के द्वार पर विरोध कर रहे थे।'' मीणा और शहीदों की विधवाओं मंजू जाट, मधुबाला, सुंदरी देवी और रेणु सिंह के साथ राजभवन गये और इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगने वाला उनका ज्ञापन सौंपा। उल्लेखनीय है कि सांसद मीणा ने पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन जवानों रोहिताश लांबा, हेमराज मीणा और जीतराम गुर्जर के परिजनों के साथ के शहीद स्मारक पर मंगलवार से धरने पर बैठे हैं।

# नीतीश कुमार फिर एक बार आ सकते हैं बीजेपी के साथ!

### -अमित शाह ने नीतीश कुमार से की बात

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राजनीति के हिसाब से बिहार बहुत ही रोचक राज्य है। बीते साल नीतीश कुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जब गठबंधन तोड़ा तो दोनों के रिश्ते सदा के लिए खत्म होने की बात कही जाने लगी थी। मुख्यमंत्री ने खुद भी कहा था कि अब बीजेपी के साथ जाने का सवाल ही नहीं पैदा होता है। हालांकि, सियासत में कुछ भी परमानेंट नहीं होता है, न दोस्ती और न ही दुश्मनी। बिहार में इन दिनों कुछ ऐसे ही संकेत मिल रहे हैं। ऐसा कहा जाने लगा है कि तेजस्वी यादव के पास सत्ता का सुख अब ज्यादा दिन नहीं रहने वाला है। नीतीश कुमार फिर एक बार बीजेपी के साथ आ सकते हैं। एक मार्च को जब नीतीश कुमार अपना 72वां जन्मदिन मना रहे थे तो उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर बधाई दी। इसके अलावा कई भाजपा नेता और बीजेपी शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री भी बधाई देने वालों की लिस्ट में शामिल हुए। नीतीश कुमार ने भी धन्यवाद देने में देरी नहीं लगाई। हालांकि बधाई देने में देरी उनके डिप्टी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कर दी। सीएम ने उन्हें भी धन्यवाद कहा।

इस दिन एक और बड़ी सियासी घटना घटी। जेडीयू के वरिष्ठ सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार केंद्रयी गृह मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता अमित शाह ने नीतीश कुमार को फोन कर जन्मदिन की बधाई दी। जाहिर सी बात है कि जब दो पार्टियों के दो दिग्गज नेता आपस में बात करते हैं तो कई सियासी मुद्दों पर भी चर्चा होती है। लोग कयास लगाने लगे हैं कि बिहार में संभावित गठबंधन को लेकर भी चर्चा हुई होगी। इसी दिन केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी फोन कर नीतीश कुमार को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

अमित शाह का फोन करके बधाई देना एक बड़े सियासी उलटफेर की तरफ इशारा कर रहा है। इन घटनाक्रमों से बीजेपी और जेडीयू के रिश्ते फिर से पटरी पर आने के कयास लगने लगे हैं। अगर दोनों दलों के रिश्ते सुधरते हैं तो इसका असर बिहार की सियासत में भी देखने को मिल सकता है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि बीजेपी और जेडीयू फिर साथ-साथ आए और बिहार में नई सरकार बनाए।

बिहार में जब-जब जेडीयू और बीजेपी ने साथ-साथ लोकसभा चुनाव लड़ा है तो शानदार प्रदर्शन किया है। 2019 में एनडीए गठबंधन ने बिहार की 40 में 39 सीटों पर जीत हासिल की थी। 2024 में भी केंद्र की सत्ता में वापसी करने के लिए बीजेपी को बिहार की

जरूरत पड़ेगी। बिहार में एक तबका ऐसा भी है जो सिर्फ नीतीश कुमार के चेहरे पर वोट करता है। उनके लिए गठबंधन या पार्टी मायने नहीं रखती है। 2020 के विधानसभा चुनाव में यह बात साबित हो चुकी है। शायद यही कारण है कि अभी तक जेडीयू में कोई बड़ी तोड़फोड़ नहीं हुई है। अगर फिर से नीतीश कुमार और बीजेपी साथ-साथ आती है तो लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनाव में भी इसका असर देखने को मिल सकता है।

## इस साल भी स्कूल ड्रेस पहनकर ही देनी होगी परीक्षा

# हिजाब पहनने की अनुमति नहीं: शिक्षा मंत्री बीसी नागेश

### -कर्नाटक में एक बार फिर गरमा सकता है हिजाब का मुद्दा

**बैंगलुरु (एजेंसी)।** कर्नाटक में एक बार फिर हिजाब का मुद्दा गरमा सकता है। कर्नाटक के शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने कहा कि हिजाब पहनने वाली छात्राओं को 9 मार्च से शुरू होने वाले दूसरे प्री-यूनिवर्सिटी कोर्स की परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तरह इस साल भी छात्र-छात्राओं को स्कूल ड्रेस पहनकर ही परीक्षा देनी चाहिए। हिजाब पहनने वाले छात्राओं को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नियमों का पालन करना होगा। शिक्षण संस्थान और सरकार निर्धारित नियमों के अनुसार काम कर रहे हैं।

मीडिया के अनुसार शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि हिजाब प्रतिबंध के बाद परीक्षा में बैठने वाले मुस्लिम छात्रों की संख्या में सुधार हुआ है। हालांकि, उन्होंने अपने दावों को साबित करने के लिए कोई सटीक संख्या नहीं बताया है। मंत्री ने कहा कि हिजाब पर प्रतिबंध के बाद अधिक मुस्लिम बहनें परीक्षा में शामिल हुईं। अब और अधिक मुस्लिम छात्राओं का नामांकन हुआ है। हमारे आंकड़े बताते हैं कि हिजाब प्रकरण के बाद परीक्षा देने वाली मुस्लिम बहनों की संख्या और उनके नामांकन अनुपात में वृद्धि हुई है।

वहीं सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कर्नाटक में सरकारी संस्थानों को छात्राओं को हिजाब पहनकर परीक्षा देने की अनुमति देने का निर्देश देने की मांग वाली याचिकाओं को तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग को ठुकरा दिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली पीठ ने कहा कि इसके लिए होली के बाद एक बेंच का गठन किया जाएगा।

वकील ने याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए कहा था कि मुस्लिम लड़कियों को एक और साल बर्बाद हो जाएगा। 9 मार्च से उन सरकारी स्कूलों में भी परीक्षाएं शुरू हो रही हैं, जहां हिजाब पहनने की अनुमति नहीं है। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट 6 मार्च को होली के अवकाश के लिए बंद हो जाता है और 13 मार्च को फिर से खुलेगा। इससे पहले 15 मार्च 2022 को कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी, न्यायमूर्ति कृष्णा एस दीक्षित और न्यायमूर्ति जेएम खाजी की पीठ ने फैसला सुनाया था। 129 पन्नों के फैसले में कहा गया था कि हिजाब एक आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है। इसके बाद कर्नाटक के प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। आठ मुस्लिम छात्रों को हिजाब पहनकर कक्षा में प्रवेश करने से रोका गया। इसके खिलाफ उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

उल्लेखनीय है कि एक जनवरी 2022 को कॉलेज विकास परिषद (सीडीसी) ने कॉलेज/स्कूल परिसरों के अंदर हिजाब पर प्रतिबंध लगाने का एक आदेश पारित किया था। इसके विरोध में छात्र कॉलेज भवन के बाहर धरने पर बैठ गए थे। कॉलेज प्रशासन का कहना है कि क्लासरूम के अंदर कभी भी हिजाब पहनकर जाने की इजाजत नहीं दी गई थी। हिजाब के विरोध में कुछ छात्र भगवा शॉल पहनकर कॉलेज पहुंचे। इसके बाद यह विवाद और गहरा गया।

# टुकड़े-टुकड़े गैंग के सदस्यों को मुहंतोड़ जबाव देने को तैयार हैं हम लोग : रिजिजू

### -लोकतंत्र हमारे खून में दौड़ता

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** क्या विपक्षी दल न्यायपालिक पर दवाब बना रहे हैं? क्या न्यायपालिका विपक्ष के दबाव में आ रहा है? दरअसल केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने इशारों-इशारों में इस लेकर बड़ी बात कही है। कानून मंत्री ने ट्वीट कर कहा कि आजादी के नाम पर अगर हर कोई स्वतंत्र रूप से कार्य करता है, तब कानून और व्यवस्था का क्या होगा। कोई भी राजनीतिक दल न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सवाल नहीं उठा सकता। कानून मंत्री रिजिजू ने कहा, भारतीय न्यायपालिका स्वतंत्र है। और भारतीय न्यायपालिका को कभी भी विपक्षी दल की भूमिका निभाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। कोई भी भारतीय लोकतंत्र पर सवाल भी नहीं उठा सकता क्योंकि लोकतंत्र हमारे खून में दौड़ता है। उन्होंने कहा, इन गिरोहों को भारत विरोधी विदेशी संस्थाओं का भारत के खिलाफ मोर्चा खोलने के लिए सक्रिय समर्थन मिलता है। व्यवस्थित रूप से वे भारतीय लोकतंत्र, भारतीय सरकार, न्यायपालिका और रक्षा, चुनाव आयोग, जांच एजेंसियों जैसे सभी महत्वपूर्ण अंगों की विश्वसनीयता पर हमला करेंगे। उन्होंने कहा, टुकड़े-टुकड़े गैंग के सदस्यों को बेहतर ढंग से समझना चाहिए कि भारत पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महान कायाकल्प की यात्रा पर निकल पड़ा है। हम भारत के लोग उन्हें मुंहतोड़ जवाब देने का तैयार।

## कमलनाथ का राज्य में कांग्रेस सरकार आने पर महिलाओं को प्रतिवर्ष 18 हजार रुपये देने का वादा

भोपाल। मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार की ''मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना'' की शुरुआत के ठीक पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कांग्रेस के राज्य की सत्ता में आने पर महिलाओं को 18 हजार रुपये की वार्षिक सहायता देने के लिए एक योजना शुरु करने का वादा किया। राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का शुभारंभ किया जिसमें पात्र महिलाओं को एक हजार रुपये यानी प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। मध्य प्रदेश में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है और उससे पहले राज्य सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस, दोनों ही महिलाओं को लुभाने का प्रयास कर रही हैं। मध्यप्रदेश में 2,60,23,733 महिला मतदाता हैं। राज्य की कुल 230 विधानसभा सीटों में से 18 निर्वाचन क्षेत्रों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक है। इनमें आदिवासी बहुल बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अलीराजपुर और झाबुआ जिले शामिल हैं। अनुमान के मुताबिक 13.39 लाख नए मतदाताओं में 7.07 लाख महिलाएं हैं। कमलनाथ ने रविवार को ट्वीट किया, ''मैं मध्य प्रदेश की माताओं, बहनों और बेटियों को एक सुखद सूचना देना चाहता हूं। कुछ महीने बाद आप सब मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने वाली हैं। कांग्रेस सरकार महिलाओं को प्रतिवर्ष 18 हजार की आर्थिक सहायता राशि देगी। यह संसार की सबसे बड़ी महिला सशक्तिकरण योजना बनेगी।''

# शूटरों को छिपने और भागने में अतीक के साथ अंसारी का नेटवर्क भी मदद कर रहा

### -शूटर अभी भी यूपी में छिपे हो सकते हैं

### -अतीक का बेटा नेपाल में शराण ले चुका

**प्रयागराज(एजेंसी)।** उमेश पाल हत्याकांड की जांच में जुटी पुलिस टीमों को आशंका है कि शूटआउट को अंजाम देने वाले शूटरों को छिपने और भागने में माफिया डॉन अतीक अहमद के साथ मुख्तार अंसारी का नेटवर्क भी मदद कर रहा है। मुख्तार अंसारी गुट से जुड़े कई संदिग्ध नंबर लखनऊ और बहराइच में यूपी एसटीएफ को संदिग्ध सक्रिय मिले हैं।

उमेश पाल हत्याकांड को अंजाम देने वाली शूटरों की तलाश में यूपी एसटीएफ और प्रयागराज पुलिस की टीमें हर ओर छापेमारी कर रही हैं। बमबाज गुड्डू मुस्लिम के साथ-साथ मोहम्मद गुलाम और साबिर के जिन मददगारों के मोबाइल नंबर पुलिस टीमों को हासिल हुए हैं, उनके कॉल डिटेल खंगालने के बाद आशंका है कि 24 फरवरी को हत्या करने के बाद शूटरों की मदद और अब उनके क्षेत्र में मुख्तार अंसारी के लोग कर रहे हैं। लखनऊ के 2 बड़े बिल्डरों और बहराइच में एक वकील का नंबर कॉल डिटेल को खंगालने के बाद सामने आए हैं पुलिस को जानकारी मिली है कि अतीक अहमद के बेटे मोहम्मद असद ने बहराइच के रास्ते नेपाल में शरण ले ली है। वहीं, बाकी शूटर मोहम्मद गुलाम, साबिर और गुड्डू मुस्लिम अभी यूपी में ही छिपे हो सकते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अब तक की कॉल डिटेल और सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद साफ हुआ है कि घटना के बाद आरोपियों के फरार होने में 2 फॉर्च्यूनर, एक क्रेटा और एक जेस्ट कार का इस्तेमाल हुआ था। इन 4 गाड़ियों से अपराध को अंजाम देने के बाद बदमाश अलग-अलग दिशाओं में फरार हुए हैं। सभी गाड़ियों पर अलग-अलग फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थीं। एक फॉर्च्यूनर पर लोडिंग गाड़ी की नंबर प्लेट को लगाकर शूटर फरार हुए हैं।

प्रयागराज से फरार होने के बाद शूटर पहले से ही तय किए अपने अड्डे में जाकर बैठ गए हैं और किसी के भी संपर्क में नहीं हैं। पुलिस को शक है कि घटना को अंजाम देने के साथ-साथ एस्केप प्लान भी फुलप्रूफ बनाया था। पहले से ही तय था कि कौन, किस गाड़ी से कब और कहां जाएगा, कहां छिपेगा, कब तक छिपा रहेगा। शूटर की एक टीम राजधानी लखनऊ से बहराइच के रास्ते नेपाल में जा घुसी है। नेपाल में माफिया डॉन अतीक अहमद के कई होटल व्यापारियों से अच्छे संपर्क हैं और वहीं मुख्तार अंसारी का अंडरवर्ल्ड कनेक्शन भी इनके लिए मदद में काम कर रहा है।

# उद्योगपति गौतम अदानी के डूबते हुए शेयरों को बचाने का किया जा रहा प्रयास: जयराम रमेश

### -अदानी ने लखनऊ एयरपोर्ट पर यात्रियों की बढ़ा दी शुल्क

मंगलुरु हवाई अड्डे पर आने-जाने वाले यात्रियों पर लगाया शुल्क

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि उद्योगपति गौतम अदानी के डूबते हुए शेयरों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। रमेश ने शनिवार को कहा कि लखनऊ में अदानी द्वारा संचालित भारत के 11वें सबसे व्यस्त हवाई अड्डे, चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने यात्रियों द्वारा भुगतान किए जाने वाले उपभोक्ता विकास शुल्क (यूडीएफ) में भारी वृद्धि का प्रस्ताव दिया है। यदि हवाई अड्डा आर्थिक नियामक प्राधिकरण (एईआरए) द्वारा इस प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया जाता है, तो वित्तीय वर्ष 2025-26 तक घरेलू यात्रियों के लिए उपभोगकर्ता शुल्क 192 रुपये से बढ़कर 1,025 रुपये और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए 561 रुपये से बढ़कर 2,756 रुपये हो जाएगा। अदानी द्वारा संचालित अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाले घरेलू यात्रियों के लिए 2025-26 तक इस शुल्क में 6 गुना वृद्धि और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए 12 गुना वृद्धि को पहले ही एईआरए द्वारा मंजूरी दे दी गई है।

जयराम रमेश ने दावा किया कि एईआरए ने अदानी द्वारा संचालित मंगलुरु हवाई अड्डे के मामले में न केवल प्रस्थान करने वाले यात्रियों के लिए उपभोक्ता शुल्क में वृद्धि की है, बल्कि आने वाले यात्रियों पर भी शुल्क लगाया है। क्या नीति आयोग और वित्त मंत्रालय की आपत्तियों के बावजूद उद्योगपति गौतम अडानी को छह में से छह हवाईअड्डे सौंपकर उसे हवाईअड्डों का एकाधिकार देने निर्णय का यह अपरिहार्य परिणाम हवाई यात्रा करने वाले लोगों को नहीं भुगतना पड़ रहा है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाते हुए कहा कि साल 2008 में अदानी पावर ने हरियाणा की सरकारी बिजली वितरण कंपनियों के साथ 2.94 रुपये प्रति यूनिट की अपरिवर्तनीय दर पर 25 साल के लिए 1,424 मेगावाट बिजली की आपूर्ति करने के बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद इंडोनेशियाई कोयले की कीमतें बढ़ने के बाद अदानी ने अपरिवर्तनीय टैरिफ को बढ़ाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी, जो तब समाप्त हो गई, जब सुप्रीम कोर्ट ने 11 अप्रैल 2017 को अपने निर्णय में कहा कि इंडोनेशियाई कोयले के नियमों में बदलाव को पीपीए संशोधन को उत्प्रेरित करने वाले कानून में बदलाव के रूप में नहीं देखा जा सकता है।

इतना ही नहीं साल 2020 में हरियाणा को 11.55 रुपये प्रति यूनिट पर तत्काल बिजली खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ा। मनोहर लाल खट्टर सरकार द्वारा अपनी आधिकारिक आपूर्ति प्राप्त करने की बजाय 27 जून 2022 को एक पूरक पीपीए को मंजूरी देने का फैसला किया गया, जिसके द्वारा अदानी से 3.54 रुपये प्रति यूनिट की दर से 1,200 मेगावाट की कम बिजली खरीद का निर्णय हुआ और शेष 224 मेगावाट बिजली अत्यधिक बढ़ी हुई कीमतों पर अडानी से खरीदने का निर्णय हुआ। उन्होंने पूछा कि क्या इसके लिए सीएम खट्टर पर दबाव डाला गया, अदानी द्वारा भाजपा के चुनावी बांड के भुगतान के लिए हरियाणा के उपभोक्ताओं से कितने हजारों करोड़ रुपये की लूट की जाएगी।

## गौहत्या पर रोक के लिए राष्ट्रीय कानून बनाएं, घोषित करें राष्ट्रीय संरक्षित पशु: यूपी हाई कोर्ट

**लखनऊ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश की इलाहाबाद हाई कोर्ट लखनऊ पीठ के न्यायाधीश ने देशभर में गौवध पर रोक लगाने की वकालत की है। हाई कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के बाद जारी आदेश में केंद्र सरकार को गौहत्या पर रोक के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कानून और गाय को संरक्षित राष्ट्रीय पशु घोषित करने को कहा गया है। मामले की सुनवाई के दौरान पुराणों के हवाले से कोर्ट ने कहा कि जो कोई भी गायों को मारता है या दूसरों को उन्हें मारने की अनुमति देता है, वह नरक में सड़ने के लिए जाता है। जस्टिस शमीम अहमद ने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश होने के नाते सभी धर्मों का सम्मान करना महत्वपूर्ण है। दरअसल, हिंदूवादी संगठनों की ओर से लगातार गौहत्या पर रोक लगाने और गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग होती रही है। अब कोर्ट की बड़ी टिप्पणी के बाद इस मसले पर चर्चा तेज होगी।

जस्टिस शमीम अहमद ने गायों की हत्या के आरोपी एक व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए गायों के वध पर प्रतिबंध लगाने की मांग को हिंदू ग्रंथों से लिया। जस्टिस अहमद ने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश होने के नाते सभी धर्मों का सम्मान करना महत्वपूर्ण है। इसमें हिंदू धर्म का विश्वास भी शामिल है कि गाय की रक्षा और सम्मान किया जाना चाहिए। दैवीय गुणों और प्राकृतिक रूप से भी गायों की स्थिति को देखते हुए यह महत्वपूर्ण है। कोर्ट ने 14 फरवरी को अपने आदेश में कहा कि यह अदालत भी उम्मीद और भरोसा करती है कि केंद्र सरकार देश में गौवध पर प्रतिबंध लगाने और इसे संरक्षित राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए उचित निर्णय ले सकती है। अधिकतर राज्यों के गौहत्य और गोमांस की बिक्री और खपत को लेकर अपने कानून हैं। हाई कोर्ट ने बाराबंकी के मोहम्मद अब्दुल खालिक के खिलाफ एक आपराधिक मामले को खारिज करने से इनकार करते हुए यह टिप्पणी की। खालिक पर गौहत्या और गौमांस को बिक्री के लिए ले जाने का आरोप लगाया गया है।

## पाकिस्तान की कंगाली का वाघा बार्डर पर दिखा असर, लोग नहीं पहुंच रहे

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की कंगाली का असर वाघा बार्डर पर भी दिखने लगा है। वाघा-अटारी बार्डर पर भारत के बीएसएफ की देखा देखी पाकिस्तानी रेंजर्स ने भी परेड की शुरुआत की थी। लेकिन, अब लोगों की कम मौजूदगी से पाकिस्तानी रेंजर्स के हौसले टूटने लगे हैं। पाकिस्तानी नागरिक देश में बढ़ती महंगाई और सुरक्षा चिंताओं से डरे हुए हैं। इसके बाद उनकी रुचि पाकिस्तानी सेना के शौर्य प्रदर्शन में कम और पैसे कमाने में ज्यादा है। पाकिस्तानी विश्लेषकों का मानना है, कि इसके पीछे देश में बढ़ती महंगाई मुख्य कारण है। वे यह भी मानते हैं, कि युवा पीढ़ी अब आक्रामक परेड में रुचि नहीं रखती है। वाघा-अटारी बॉर्डर भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित हैं। इस सेरेमनी को देखने के लिए दोनों देशों ने सीमा से सटे हुए इलाके में भव्य पेवेलियन का भी निर्माण किया है। हर दिन दोनों ही देशों के हजारों लोग इस फ्लैग होस्टिंग सेरेमनी को देखते आते हैं। पाकिस्तान के बनाए स्टेडियम में 10000 दर्शकों के बैठने की क्षमता है। हालांकि, हाल के दिनों में सिर्फ 1500 से 2000 लोग ही पहुंच रहे हैं। सिर्फ रविवार को ही इनकी संख्या 3000 के करीब पहुंचती है। कामकाजी दिनों में दर्शकों की कम संख्या का असर पाकिस्तानी रेंजर्स के मनोबल पर पड़ रहा है। भारतीय दर्शकों के प्रचंड शोर के सामने पाकिस्तानी दर्शकों की आवाज दब जाती है। भारत की तरफ बने स्टेडियम में 25000 दर्शकों के बैठने की क्षमता है। भारत की तरफ अटारी में हर दिन हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं और बीएसएफ का हौसला बढ़ाते हैं। पाकिस्तानी दर्शकों का भी मानना है कि खाली स्टेडियम से उनके उत्साह पर असर पड़ता है।

## कैलाशा प्रतिनिधि विजयप्रिया ने अपने बयान पर दी सफाई

जिनेवा । कैलाशा प्रतिनिधि विजयप्रिया ने हाल ही में एक बयान दिया था कि भारत में हिंदू विरोधी तत्वों द्वारा नित्यानंद सताए गए थे लेकिन अब उन्होंने अपनी सफाई दी है। विजयप्रिया नित्यानंद ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में उनके बयान की गलत व्याख्या की जा रही है, मीडिया के कुछ हिंदू विरोधी वर्गों द्वारा जानबूझकर हेरफेर और विकृत किया जा रहा है। विजयप्रिया ने कहा कि भगौड़े बलात्कार के आरोपी नित्यानंद को हिंदू धर्म की प्राचीन परंपराओं को पुनर्जीवित करने के लिए सताया जा रहा था, इसके कुछ दिनों बाद उन्होंने एक स्पष्टीकरण जारी किया और हिंदू विरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर समिति द्वारा आयोजित चर्चा के दौरान, विजयप्रिया ने 24 फरवरी को संयुक्त राज्य कैलाश के स्थायी राजदूत के रूप में कहा कि नित्यानंद को सताया जा रहा है और यहां तक कि उनके जन्म के देश से प्रतिबंधित कर दिया गया है। अपने स्पष्टीकरण में, विजयप्रिया ने कहा, मैं स्पष्ट करना चाहूंगी कि मैंने कहा था कि एसपीएच भगवान नित्यानंद परमशिवम को उनके जन्मस्थान में कुछ हिंदू-विरोधी तत्वों द्वारा सताया जाता है। संयुक्त राज्य कैलासा भारत को उच्च सम्मान देता है और भारत को अपने गुरुपीडम के रूप में सम्मान देता है। उन्होंने कहा, हमारी चिंता केवल उन हिंदू-विरोधी तत्वों के प्रति है। हम भारत सरकार से इसतरह के तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं, जो हिंदू धर्म और कैलाश के सर्वोच्च पुजारी के खिलाफ हिंसा भड़काना जारी रखते हैं। नित्यानंद का कैलाश कहां है, यह किसी को नहीं पता। ऐसा कहा जाता है कि भगौड़े पादरी ने दक्षिण अमेरिका में इक्वाडोर के पास एक द्वीप खरीदा था। कैलाश देश के ज्यादा दृश्य सामने नहीं आए हैं। लेकिन कैलाश की आभासी उपस्थिति है। नित्यानंद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मौजूद है और कैलाश सरकार की एक वेबसाइट है।

## चीन ने भारत से तीन गुना बढ़ाया अपना रक्षा बजट

बीजिंग । चीन ने अपना रक्षा बजट 7.2 प्रतिशत तक बढ़ाकर 1,550 अरब युआन कर दिया हैं। जो पिछले साल से अधिक है। यह ड्रैगन के सैन्य बजट में लगातार आठवीं वृद्धि है। चीन ने पिछले साल 7.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,450 अरब युआन का बजट पेश किया था। इस साल रक्षा खर्च बढ़कर 1,550 अरब युआन हो गया है। हालांकि, युआन के मुकाबले डॉलर की मजबूती को देखकर इस साल चीन का रक्षा खर्च करीब 224 अरब डॉलर हो गया है, जो पिछले साल के 230 अरब डॉलर के मुकाबले कम है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) के उद्घाटन सत्र में पेश की कार्य रिपोर्ट में निवर्तमान प्रधानमंत्री ली केकियांग ने सशस्त्र बलों से लड़ाकू तैयारियां बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चीन के सशस्त्र बलों को सैन्य अभियान के लिए काम करना चाहिए, लड़ाकू तैयारियां और सैन्य क्षमताएं बढ़ानी चाहिए ताकि सीपीसी (चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी) द्वारा उन्हें सौंपा काम पूरा हो सके। ली ने कहा कि सशस्त्र बलों को सैन्य प्रशिक्षण तेज करना चाहिए, नया सैन्य सामरिक मार्गदर्शन बनाना चाहिए तथा सभी दिशाओं में सैन्य काम को मजबूत करने के अच्छी तरह से समन्वित प्रयास करने चाहिए। अपने रक्षा बजट पर सबसे अधिक खर्च करने वाले देशों में अमेरिका के बाद चीन का नाम आता है। अमेरिका ने 2023 के लिए 816 अरब डॉलर का रक्षा बजट पेश किया है। भारत के लिहाज से चीन का रक्षा बजट तीन गुना अधिक है। भारत ने 2023-24 के लिए 72.6 अरब डॉलर का बजट पेश किया है। बढ़ते रक्षा बजट और 20 लाख सैनिकों वाली पीपुल्स लिबरेशन आर्मी दुनिया की सबसे बड़ी सेना है और वह अपनी सेना, नौसेना तथा वायु सेना के आधुनिकीकरण पर सबसे अधिक खर्च करने के साथ तेजी से शक्तिशाली बन रही है। चीनी सेना का नेतृत्व राष्ट्रपति शी चिनफिंग करते हैं, जो शक्तिशाली केंद्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष हैं। उनके नेतृत्व में चीनी सेना ने अगले कुछ वर्षों में अमेरिकी सशस्त्र बलों के बराबर आधुनिक होने का लक्ष्य तय किया है। एनपीसी के सत्र के मद्देनजर उसके प्रवक्ता वांग चाओ ने चीन के रक्षा बजट में वृद्धि का बचाव करते हुए कहा कि सकल घरेलू उत्पाद के हिस्से के तौर पर देश का रक्षा खर्च वैश्विक औसत के मुकाबले कम है। उन्होंने कहा कि चीन के सैन्य आधुनिकीकरण से किसी देश को कोई खतरा नहीं होगा बल्कि यह क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति की रक्षा के लिए सकारात्मक शक्ति होगी।

## राष्ट्रीय कर्ज बढ़ने को लेकर हेली ने पूर्व राष्ट्रपति बुश और ट्रंप की आलोचना की

### -बाइडेन को भी कर्ज बढ़ने के लिए जिम्मेदार बताया

वाशिंगटन । रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने की दावेदार निक्की हेली ने अत्यधिक खर्च करने और अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज 10 हजार अरब डॉलर और बढ़ाने के लिए अपनी पार्टी के दो पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश और डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना की। साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन के रिकॉर्ड तोड़ खर्च की भी आलोचना कर दावा किया कि आने वाले 10 वर्ष में राष्ट्रीय कर्ज में 20 हजार अरब डॉलर और वृद्धि होगी। हेली ने कहा कि जब वह 2010 में नॉर्थ कैरोलाइना की गवर्नर बनी थी, तब राष्ट्रीय कर्ज 13 हजार अरब डॉलर था। उन्होंने कहा, ''तेरह साल बाद हमारे देश पर 31 हजार अरब डॉलर से अधिक का कर्ज है, और बाइडन के कारण हम अगले 10 साल में राष्ट्रीय कर्ज में 20 हजार अरब डॉलर और जोड़ने वाले हैं। हेली ने 14 फरवरी को व्हाइट हाउस की दौड़ में शामिल होने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि एक मजबूत अर्थव्यवस्था राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा, ''अगर हम अपनी मुद्रा का अवमूल्यन जारी रखते हैं, तब हम दुनिया में अपना स्थान खो देने वाले हैं। अमेरिकी नागरिकों की रक्षा करने तथा शांति बनाए रखने का इकलौता रास्ता आर्थिक आजादी है।

## ढाका में ऑक्सीजन संयंत्र में हुए विस्फोट में करीब छह लोगों की मौत

ढाका ।बांग्लादेश में चटगांव के कदम रसूल (केशबपुर) इलाके में एक ऑक्सीजन संयंत्र में हुए विस्फोट में करीब छह लोगों की मौत हुई और 30 से अधिक घायल हो गए। सीताकुंड थाने के प्रभारी अधिकारी ने मरने वालों की संख्या और घायलों की संख्या की पुष्टि की। मृतकों में से पांच की पहचान शम्सुल आलम, फरीद, रतन लखरेट, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद कादर के रूप में हुई है। अन्य मृतकों की पहचान की पुष्टि अभी नहीं हुई है। छह मृतकों में घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर कदमरसुल बाजार में धातु की वस्तु गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि शिमा ऑक्सीजन प्लांट की तरफ से कोई कानूनी कागज नहीं दिखाया गया। इससे पहले, चटोग्राम के पुलिस अधीक्षक एस.एम. शफीउल्लाह ने कहा कि पुलिस ने ऑक्सीजन संयंत्र को घेर लिया है। शनिवार दोपहर ढाका-चटोग्राम राजमार्ग के बगल में कदामरसुल इलाके में शीमा ऑटोमैटिक री-रोलिंग मिल्स लिमिटेड के ऑक्सीजन प्लांट में धमाका हुआ। 4 जून, 2022 को चटोग्राम के सीताकुंड उपजिला में बीएम कंटेनर डिपो में आग लगी थी और विस्फोट में 51 लोगों की जान चली गई थी, जबकि 200 से अधिक घायल हो गए और भारी मात्रा में आयात और निर्यात कंटेनर क्षतिग्रस्त हो गए।

तेल अवीवी में बेंजामिन नेतनयाहू सरकार के न्यायिक सुधारों का विरोध करने के लिए सड़कों पर उमड़े लोग।

## अंतरिक्ष में दिखा शनि व वृहस्पति ग्रह के बीच एक नया धूमकेतु

### -80 व 660 वर्षों में एक बार करता है सूर्य की परिक्रमा

वॉशिंगटन । अंतरिक्ष में शनि व वृहस्पति ग्रह के बीच एक नया धूमकेतु दिखाई दिया। यह धूमकेतु आसमान में साल 2024 में किसी तारे की तरह दिखाई दे सकता है। माइनर प्लेनेट सेंटर के मुताबिक इस धूमकेतु का नाम सी/2023 ए3 है। इसे पहली बार 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका में एसटेरॉयड टेरेस्ट्रियल-इम्पैक्ट लास्ट अलर्ट सिस्टम टेलीस्कोप ने देखा था। चीन के पर्पल माउंटेन ऑब्जर्वेटरी के खगोलविदों ने 9 जनवरी को इस धूमकेतु की स्वतंत्र रूप से खोज की थी। जानकारी के मुताबिक अभी ये धूमकेतु शनि और बृहस्पति ग्रह के बीच है। यह धूमकेतु 2 लाख 90 हजार 664 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हमारे सौरमंडल में यात्रा कर रहा है। 13 अक्टूबर 2024 को इसके पृथ्वी के करीब से गुजरने की संभावना है। खगोलविदों का अनुमान है कि धूमकेतु हर 80, 660 वर्षों में सूर्य की एक बार परिक्रमा करता है। मीडिया के अनुसार 28 सितंबर 2024 को यह सूर्य के सबसे करीब पहुंचेगा। हालांकि ये तभी संभव है जब धूमकेतु एक ही पीस में हो। धूमकेतु बर्फ और धूल की बनी चट्टान होती हैं और सूर्य के करीब से गुजरने के दौरान टूटने लगती हैं। अगर धूमकेतु सिंगल पीस में बचा रह जाता है तो पृथ्वी और सूर्य के बीच से गुजरने के दौरान यह जून 2024 में शौकिया दूरबीन से दिखाई दे सकता है। हालांकि पूर्वी क्षितिज पर होने के कारण दुनिया के कई हिस्सों में लोग इसे नहीं देख सकेंगे।

# हमारे लोकतांत्रिक ढांचों पर 'बर्बर प्रहार' हो रहा है : राहुल गांधी

**लंदन (एजेंसी)।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भारतीय लोकतांत्रिक ढांचों पर 'बर्बर हमले' हो रहे हैं और देश के लिए एक वैकल्पिक नजरिये के इर्दगिर्द एक जुट होने के लिए विपक्षी दलों में बातचीत चल रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि बीबीसी के खिलाफ हालिया कर सर्वेक्षण कार्रवाई 'देश भर में आवाज के दमन' का एक उदाहरण था। उन्होंने कहा कि यह वजह है कि देश को खामोश करने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रयासों के खिलाफ आवाज उठाने की अभिव्यक्ति के तौर पर उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' की।

यहां इंडियन जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (आईजेए) द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'इंडिया इनसाइड्स' में गांधी ने संवाददाताओं को बताया, ÷यात्रा इसलिए जरूरी हो गई क्योंकि हमारे लोकतांत्रिक ढांचे पर बर्बर हमले हो रहे हैं।' उन्होंने

कहा, 'मीडिया, संस्थागत ढांचे, न्यायपालिका, संसद सभी पर हमले हो रहे हैं और हमें सामान्य माध्यम से लोगों के मुद्दे रखने में बहुत मुश्किल हो रही थी।÷

उन्होंने कहा, 'बीबीसी को इस बारे में अभी पता चला है, लेकिन भारत में यह सिलसिला पिछले नौ साल से लगातार चल रहा है। सभी जानते हैं कि पत्रकारों को डराया-धमकाया जाता है, उन पर हमले किए जाते हैं और धमकाया जाता है। सरकार की पैरवी करने वाले पत्रकारों को पुरस्कृत किया जाता है। तो, यह एक पैटर्न का हिस्सा है और मैं कुछ अलग होने की उम्मीद नहीं करूंगा। अगर बीबीसी सरकार के खिलाफ लिखना बंद कर दे तो सब कुछ सामान्य हो जाएगा। सारे मामले गायब हो जाएंगे।'

गांधी ने खेद व्यक्त किया कि अमेरिका और यूरोप सहित दुनिया के लोकतांत्रिक हिस्से यह संज्ञान लेने में विफल रहे हैं कि 'लोकतंत्र का एक बड़ा हिस्सा नष्ट कर दिया गया है'। उन्होंने कहा, 'भाजपा चाहती है कि भारत खामोश रहे। वे चाहते हैं कि यह शांत हो... क्योंकि वे चाहते हैं कि जो भारत का है उसे ले सकें और अपने करीबी दोस्तों को दे सकें। यही विचार है, लोगों का ध्यान भटकाना और फिर भारत की संपत्ति को तीन, चार, पांच लोगों को सौंप देना।

## यूएस प्रेसिडेंट बना तो शिक्षा विभाग व एफबीआई समेत 10 एजेंसियों को कर देंगे खत्म : उद्यमी विवेक रामास्वामी

**वाशिंगटन (एजेंसी)** अमेरिका के मशहूर उद्यमी विवेक रामास्वामी ने पिछले सप्ताह ही अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव-2024 में लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने एक संबोधन में कई बड़ी और साहसिक घोषणाएं कीं। रामास्वामी ने कहा कि अगर वो अमेरिका के प्रेसिडेंट बनते हैं तो उन सभी अमेरिकी कंपनियों पर प्रतिबंध लगा देंगे, जो चीन के साथ व्यापार कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी प्राथमिकताओं में शिक्षा विभाग और एफबीआई समेत 10 एजेंसियां हैं, जिन्हें वे खत्म कर देंगे। रामास्वामी ने ऐसा प्रस्ताव क्यों दिया है, जिसकी अमेरिका में खूब चर्चा हो रही है।

शनिवार को एक संबोधन में भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन विवेक रामास्वामी ने कहा कि मुझे लगता है कि ईमानदार होना महत्वपूर्ण है। अगर हम चीन से स्वतंत्रता की घोषणा करना चाहते हैं, तो इसका मतलब है कि हमें सीसीपी (चीनी कम्युनिस्ट पार्टी) के गिरने तक या सीसीपी तक चीन में व्यापार करने से अधिकांश अमेरिकी व्यवसायों पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार रहना होगा। इसके अलावा रामास्वामी ने एफबीआई के साथ 10 एजेंसियों और शिक्षा विभाग को खत्म करने का भी प्रस्ताव दिया है। रामास्वामी के इस प्रस्ताव पर अमेरिका में खूब चर्चा हो रही है।

रामास्वामी ने अपने संबोधन में कहा कि मैं पहले ही पिछले हफ्ते कह चुका हूं। पहली एजेंसी जिसे हम बंद करेंगे वह अमेरिकी शिक्षा विभाग है। इसके अस्तित्व को बचाने का कोई कारण नहीं है। न ही कभी यह अस्तित्व में नहीं होना चाहिए था। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका के लोगों का अपना कोई अस्तित्व नहीं है। आज अमेरिकी अपनी पहचान खो रहा है। हमें ऐसे शिक्षा विभाग की जरूरत नहीं है, जो हमारे लोगों की जिंदगी न सुधार सके।

रामास्वामी ने आगे कहा कि मैं दूसरी सरकारी एजेंसी एफबीआई की घोषणा करने के लिए भी तैयार हूं जिसे मैं इस देश में बंद कर दूंगा। हमें इसे कम से कम 60 साल पहले करना चाहिए था। इसने रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स को समान रूप से आहत किया है। हम इसे अंत में पूरा करने जा रहे हैं। यह अमेरिका में एफबीआई को बंद करने और इसकी जगह लेने के लिए कुछ नया बनाने का समय है, क्योंकि हम जे एडगर हूवर की विरासत के साथ काम कर रहे हैं, ताकि इसे फिर से एक स्वशासी राष्ट्र बनाया जा सके।

## प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के खिलाफ रिट याचिका पंजीकृत की जाए: सुप्रीम कोर्ट

### - मैं 5 हजार हत्याओं की जिम्मेदारी लेने को तैयार : प्रचंड

**काठमांडू (एजेंसी)।** नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने दशक भर लंबे विद्रोह के दौरान पांच हजार लोगों की मौत की जिम्मेदारी लेने वाले प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के खिलाफ एक रिट याचिका पंजीकृत करने का आदेश दिया है। उच्चतम न्यायालय प्रशासन द्वारा दो वकीलों की ओर से दायर याचिकाओं को खारिज करने के फैसले के खिलाफ अपील पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति ईश्वर प्रसाद खतिवडा और हरि प्रसाद फुयाल की पीठ ने शुक्रवार को अदालत के प्रशासन को याचिका पंजीकृत करने का आदेश दिया। संघर्ष के पीड़ित वकील ज्ञानेंद्र आराण और कल्याण बुधाठोकी ने अलग-अलग याचिकाएं दायर की थीं लेकिन अदालत के प्रशासन ने पिछले साल 10 नवंबर को उन्हें पंजीकृत करने से मना कर दिया था। विद्रोह 13 फरवरी 1996 में शुरू हुआ था और 21 नवंबर 2006 को सरकार के साथ व्यापक शांति समझौता होने के बाद आधिकारिक तौर पर खत्म हो गया था। पंद्रह जनवरी 2020 को काठमांडू में एक कार्यक्रम में प्रचंड ने कहा था कि मुझ पर 17 हजार लोगों की हत्या का आरोप लगाया जाता है जो सच नहीं है। हालांकि, मैं संघर्ष के दौरान 5 हजार लोगों की हत्या की जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं। प्रचंड ने कहा था कि शेष 12 हजार हत्याओं की जिम्मेदारी सामंती सरकार ले। पीड़ितों ने मांग की है कि अदालत प्रचंड के खिलाफ उन हत्याओं के लिए जरूरी कानूनी कार्रवाई करे, जो उन्होंने खुद स्वीकार की हैं। नेपाल में राजशाही के दौरान माओवादी विद्रोह में हजारों लोगों की जान गई थी। तब माओवादी सशस्त्र संघर्ष के जरिए नेपाल की सत्ता पर काबिज होना चाहते थे। इस धड़े का नेतृत्व प्रचंड के ही हाथ में था। प्रचंड के इशारे पर लोगों की हत्याएं की गईं। कई सरकारी अधिकारियों पर हमले हुए थे और संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया गया था। राजशाही के खत्म होने के बाद प्रचंड ने अपने लड़ाकों को नेपाली सेना में शामिल कराने की मांग भी की थी।

## मुकदमा चला तो भी प्रचार अभियान से पीछे नहीं हटूंगा : ट्रंप

**ऑक्सन हिल (एजेंसी)।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि यदि उनके खिलाफ मुकदमा चलता है तो भी राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए उनका प्रचार अभियान जारी रहेगा। ट्रंप ने वार्षिक 'कंजरवेटिव पॉलिटिकल एक्शन कांफ्रेंस' में अपने संबोधन से पहले पत्रकारों से कहा, 'बिल्कुल, मैं पीछे हटने के बारे में सोच भी नहीं सकता।' ट्रंप के खिलाफ 2020 में हुए राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम में हेरफेर के प्रयास को लेकर जांच की जा रही है।

इसके अलावा वह गोपनीय दस्तावेजों को अपने पास रखने व अन्य मामलों को लेकर भी जांच का सामना कर रहे हैं। ट्रंप ने शनिवार रात अपने भाषण में समर्थकों से कहा कि वह दोबारा राष्ट्रपति बनने के लिए 'अंतिम लड़ाई' में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'हमने जो शुरू किया था, उसे खत्म करने जा रहे हैं। हम मिशन पूरा करने जा रहे हैं। हम इस लड़ाई का अंत जीत के साथ देखने जा रहे हैं।

# ब्रेन वॉश करके तिब्बतियों की भाषा, संस्कृति व पहचान को नष्ट कर रहा चीन

### - तिब्बतियों पर चीन की नई साजिश का खुलासा

**ल्हासा (एजेंसी)।** तिब्बत में चीन की नई साजिश का खुलासा हुआ है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार की रिपोर्ट है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) तिब्बतियों पर नया हमला कर रहा है। मिडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में उन दस लाख तिब्बती बच्चों के बारे में बात की गई, जिन्हें चीनी अधिकारियों ने उनके परिवारों से अलग कर दिया। अब वे चीनी सरकार द्वारा संचालित बोर्डिंग स्कूलों में रखे गए हैं, जहां ब्रेन वॉश करके तिब्बतियों की भाषा, संस्कृति और पहचान को नष्ट किया जा रहा है। रिपोर्ट में विशेषज्ञ कहते हैं कि तिब्बती शैक्षिक धार्मिक और भाषाई संस्थानों के खिलाफ दमनकारी कार्रवाइयों की एक श्रृंखला के माध्यम से तिब्बती पहचान को जबरन खत्म करने की कोशिश से हम चिंतित हैं।

तिब्बत में चीनी सरकार आवासीय स्कूली शिक्षा प्रणाली का उपयोग तिब्बती लोगों को

सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषाई रूप से आत्मसात करने के लिए कर रहा है। विशेषज्ञों ने एक बयान में कहा कि हम इस बात से बहुत परेशान हैं कि हाल के वर्षों में तिब्बती बच्चों के लिए आवासीय विद्यालय प्रणाली तिब्बतियों को बहुसंख्यक हान संस्कृति में आत्मसात करने के उद्देश्य से एक अनिवार्य बड़े पैमाने के कार्यक्रम के रूप में कार्य करती दिख रही है।

इन आवासीय विद्यालयों में शैक्षिक सामग्री और पर्यावरण बहुसंख्यक हान संस्कृति के इर्द-गिर्द निर्मित हैं। पाठ्यपुस्तकों में लगभग पूरी तरह से उन अनुभवों को दर्शाया गया है, जिनका हान छात्र अपने जीवन के दौरान सामना करते हैं। तिब्बती बच्चों को प्रासंगिक तिब्बती परंपराओं और संस्कृति को सीखने तक पहुंच के बिना मंदारिन चीनी (पुटोंगहुआ, मानक चीनी) में अनिवार्य शिक्षा पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

ये स्कूल तिब्बतियों की भाषा, इतिहास और संस्कृति में कई अध्ययन प्रदान नहीं करते हैं। परिणामस्वरूप तिब्बती बच्चे अपनी भाषा में प्रवाह खो रहे हैं और तिब्बती भाषा में अपने माता-पिता और दादा-दादी के साथ आसानी से संवाद करने की क्षमता खो रहे हैं, जिससे हान चीनी पहचान के साथ उनका समावेश हो रहा है और उनकी अपनी पहचान खत्म हो रही है। विशेषज्ञों की रिपोर्ट बताती है कि तिब्बत में इन आवासीय विद्यालयों का प्रचार तिब्बती पहचान और संस्कृति को नष्ट करने की एक चीनी साजिश का हिस्सा है। ऐसे आवासीय विद्यालय तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के भीतर काफी संख्या में स्थापित किये जा चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या में तिब्बती बच्चे पढ़ते हैं।

# तोशखाना मामले के कारण इमरान खान पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के सिर पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। इस्लामाबाद पुलिस इमरान खान के लाहौर स्थित घर तोशाखाना मामले में उन्हें गिरफ्तार करने पहुंची थी। इस्लामाबाद पुलिस के पास इमरान खान की गिरफ्तारी का वारंट है मगर पुलिस के मुताबिक इमरान खान उन्हें घर पर नहीं मिले जिसके बाद पुलिस वापस लौट आई है।

बता दें कि इमरान खान को तोशखाना मामले का कारण काफी परेशानियां झेलनी पड़ी है। इसी मामे के कारण उनकी संसद की सदस्यता गई थी, जबकि इससे पहले उनकी सरकार भी गिरी थी। इस मामले में चुनाव आयोग ने इमरान खान की दलीलों को कमजोर मानते हुए उनकी सदस्यता भी रद्द की थी। दरअसल तोशखाना मामला एक कैबिनेट का विभाग है। इसमें अन्य देशों की सरकार, राष्ट्र प्रमुख, विदेशी मेहमानों द्वारा दिए गए उपहारों को रखा जाता है। पाकिस्तान के नियमों के अनुसार प्रधानमंत्री रहते हुए अन्य देशों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मिले तोहफों को तोशखाना में रखने का नियम है।

बता दें कि इमरान खान ने पाकिस्तान की सत्ता वर्ष 2018 में संभाली थी, इसके बाद उन्होंने अरब देशों, यूरोपीय देशों की यात्राएं की थी। इन यात्राओं के दौरान इमरान खान को अरब के शासकों और यूरोपीय देशों के प्रमुखों से कई तरह के महंगे तोहफे मिले। इन तोहफों को इमरान खान ने तोशखाना में जमा करवाया। हालांकि इमरान खान पर आरोप है कि बाद में उन्होंने तोशखाना में इन तोहफों को सस्ते दामों पर खरीदा और बाहर इन तोहफों को महंगी कीमत पर बेच दिया। इन तोहफो को बेचने के लिए इमरान खान को उनकी सरकार ने ही कानूनी अनुमति दी थी।

जानकारी के मुताबिक इमरान खान ने चुनाव आयोग को तोशकाना के संबंध में जानकारी दी थी कि इन तोहफों को उन्होंने 2.15 करोड़ रुपये की राशि देकर खरीदा था और इन तोहफों को बेचने के बाद उन्हें 5.8 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। जानकारी के अनुसार जिन तोहफों को इमरान खान ने बेचा उसमें घड़ी, कफलिंक का जोड़ा, महंगा पेन, अंगूठी आदि शामिल है।

आंकड़ों के मुताबिक इमरान खान के तीन साल तक प्रधानमंत्री रहने के दौरान उन्हें 14

करोड़ रुपये की लागत के 58 गिफ्ट मिले थे। इन तोहफों को तोशखाना में जमा करवाया गया है। हालांकि ये भी कहा गया कि इमरान खान ने इन तोहफों की जानकारी इनकम टैक्स में नहीं दी है।

संपादकीय

## होली का आध्यात्मिक पहलू - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

फागुन के मास में हर तरफ फूल खिलते हैं तथा चारों ओर रंग-बिरंगी बहार होती है। होली का त्यौहार इसी फागुन मास में बड़े हर्षोल्लास व उत्साह के साथ मनाया जाता है, जिसमें लोग एक-दूसरे से गले लगकर होली की शुभकामनाएं देते हैं। जिस प्रकार होली के त्यौहार का एक बाहरी पहलू है जिसमें कि एक दिन होलिका जलाई जाती है तथा अगले दिन एक-दूसरे पर रंग व गुलाल डालकर इस त्यौहार को पारंपरिक रूप से मनाया जाता है लेकिन उसका एक रूहानी पहलू भी है।

दुनिया में हमेशा एक दौर चलता रहता है जिसमें सच और झूठ की लड़ाई होती रहती है। सच को दबाने के लिए झूठ बड़ी कोशिश करता है कि वह किसी न किसी तरह से छुप जाए, मगर सच एक ऐसी चीज़ है जो कभी भी छुप नहीं सकता क्योंकि पिता-परमेश्वर सृष्टि के शुरूआत में सच थे, आज भी सच हैं और सृष्टि के अंत तक भी सच रहेगें। होली का दिन इस बात का प्रतीक है कि आखिर में सच की विजय और झूठ की हमेशा हार होती है।

पूर्ण संतों के अनुसार होली जलाने का आध्यात्मिक महत्त्व यह है कि हम अपने अंदर की बुराईयों को जलाकर सदाचारी जीवन व्यतीत करें तथा जिस प्रकार हम बाहर एक-दूसरे पर रंग व गुलाल डालकर इस त्यौहार को मनाते हैं, उसी प्रकार हम पूर्ण गुरु की सहायता से ध्यान-अभ्यास द्वारा अपने अंतर में प्रभु के विभिन्न रंगों को देखकर सच्ची होली अपने अंतर में खेंले।

इस त्यौहार का एक अन्य पहलू एक दूसरे पर रंग लगाना भी है। होली पर लोग सफेद कपड़े पहनते है जिसका एक आध्यात्मिक पहलू भी है। सफेद रंग में अन्य सभी रंग शामिल है। इसी तरह पिता-परमेश्वर हम सबके भीतर हैं। जिस प्रकार सफेद रंग सभी रंगों का स्रोत है उसी प्रकार पिता-परमेश्वर सारी सृष्टि के स्रोत हैं।

जिस प्रकार होली में विभिन्न रंग हमारे कपड़ों पर बहुरंगी आकृति बनाते हैं और हम उन आकृतियों को बदलने की कोशिश नहीं करते, उसी प्रकार हमें अपने जीवन में एक-दूसरे को प्रेमपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। अगर हम एक देश या समुदाय के सदस्य हैं तो हमें दूसरों को उसी तरह स्वीकार करना चाहिए जिस तरह पिता-परमेश्वर सभी को स्वीकार करते हैं।

आओ होली के इस त्यौहार पर हम सब अपने अंदर फैली सभी बुराइयों को जलाकर व एक-दूसरे पर प्रेम व भाईचारे का रंग डालते हुए मनुष्य जीवन के मुख्य उद्देश्य को प्राप्त करें।

# राजनीतिक कोताही से हिंसा की काली छाया

**आखिर भारत के सामान्य नागरिक को खतरा है किससे- क्या एक-दूसरे से? तमाम राजनीतिक दलों को एक-दूजे से? क्या विभिन्न धर्मों को एक-दूसरे से है? यह वितंडा नेताओं के एक वर्ग-राजनीतिक, धार्मिक और उनके अग्रणी संगठनों का फैलाया हुआ है। ये वो लोग हैं जिन्हें हर नुक्कड़ पर और विभिन्न मंचों से आती आवाज़ों में खतरा नज़र आता है। सरकार और कानून एवं व्यवस्था लागू करने वाली एजेंसियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने से शह पाकर ये स्वर और तीखे और दबंग होते जा रहे हैं। आज देश भर में हो रहे अपराध देखकर और इनके बारे में पढ़कर पाता हूं कि विगत की तुलना में इनकी संख्या और अंजाम देने में बरती जाने वाली क्रूरता में कितना बड़ा फर्क आ गया है।**

गुरबचन जगत

पुलिस सेवा में मेरा कार्यकाल काफी लंबा रहा, जो 1960 के दशक के मध्य से शुरू होकर मौजूदा शताब्दी की शुरुआत तक रहा। इस दौरान मैंने कानून और व्यवस्था की नाना प्रकार की स्थितियां देखी हैं। सामान्य अपराध, मसलन, चोरी, डकैती और यदा-कदा होने वाली हत्याएं (कुछ जिलों में तो इनकी वार्षिक संख्या इकाई अंक तक सीमित हुआ करती थी, हालांकि मालवा इलाके में मामले अधिक थे)। पंजाब में बलात्कार की वारदातें कभी-कभार ही होती थीं। दरअसल, मामलों में उछाल आतंकवाद की आमद के बाद से ही हुआ, जिनमें अनेक मौकों पर हत्याएं, किसी धार्मिक स्थल पर गोमांस फेंकना तो कहीं सिगरेट फेंक देना, धीरे-धीरे समाज में फूट और दुराव बनता गया। इसके बाद आया दौर राज-शक्ति और आतंकवाद के बीच पूर्ण लड़ाई का, वे दिन थे जब केवल बंदूक ही बोला करती थी। यह मंजर जूलियस सीज़र नाटक में कही मशहूर उक्ति : 'मार-काट करो और कुत्तों की तरह टूट पड़ो' वाला था। आज हालात ऐसे हैं कि खुद नेतृत्व असुरक्षा का हौवा खड़ा कर रहा है। विभिन्न रंग-ढंग के राजनीतिक दलों और संगठनों के नेतृत्व का दावा है कि भारत में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, दलित और समाज के अन्य वर्ग सुरक्षित नहीं हैं। आखिर भारत के सामान्य नागरिक को खतरा है किससे- क्या एक-दूसरे से? तमाम राजनीतिक दलों को एक-दूजे से? क्या विभिन्न धर्मों को एक-दूसरे से है? यह वितंडा नेताओं के एक वर्ग-राजनीतिक, धार्मिक और उनके अग्रणी संगठनों का फैलाया हुआ है। ये वो लोग हैं जिन्हें हर नुक्कड़ पर और विभिन्न मंचों से आती आवाज़ों में खतरा नज़र आता है। सरकार और कानून एवं व्यवस्था लागू करने वाली एजेंसियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने से शह पाकर ये स्वर और तीखे और दबंग होते जा रहे हैं। आज देश भर में हो रहे अपराध देखकर और इनके बारे में पढ़कर पाता हूं कि विगत की तुलना में इनकी संख्या और अंजाम देने में बरती जाने वाली क्रूरता में कितना बड़ा फर्क आ गया है। बर्बरता और सनक भरी हिंसा आज बलात्कार, हत्याओं, अगवा करके फिरौती मांगने वाले मामलों की पहचान बन गई है। चाहे यह दिल्ली हो, हैदराबाद, मुम्बई, उत्तर प्रदेश हो या बिहार, अमानवीयता की दृश्यावली एक-सी है। आज बोलचाल नफरत की भाषा में तब्दील हो चुकी है और यह चलन खुलेआम और सार्वजनिक है। इसकी सबसे बड़ी शिकार महिलाएं हैं- जिन्हें मारपीट, बलात्कार, जला देना इत्यादि भुगतना पड़ रहा है। फ्रिज और डीप फ्रीज़र का काम मृतका का शव रखने की जगह बन गए हैं। आलम यह है कि मौसम या समय कोई भी हो, किसी भी महिला की यह समझदारी नहीं जो वह सूरज ढलने के बाद अकेले निकलने का दुस्साहस करे। चाहे सांप्रदायिकता हो या सामाजिक व जाति-आधारित भेद, आज समाज की भ्रंश-रेखाएं गहरी होती चली जा रही हैं। लचर गायक गैंग और गैंगस्टरों का महिमामंडन कर रहे हैं, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर इनके प्रशंसकों की अच्छी-खासी तादाद है। इन सबके बीच, सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात है कि मुख्य राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने इस पर चुप्पी साध रखी है। स्थानीय स्तर पर जरूर छिटपुट प्रदर्शन होते हैं लेकिन बड़े पैमाने पर होने वाला और सतत आंदोलन कोई नहीं, जो विभिन्न सरकारों को निर्णायक कार्रवाई करने को मजबूर करे। नतीजतन, अपराधों में संख्यात्मक वृद्धि हो रही है और अपराधी फल-फूल रहे हैं। समूचा आपराधिक न्याय तंत्र मरणासन्न हुआ पड़ा है। पुलिस हो या कार्यपालिका या फिर न्यायपालिका, हर कोई इस अकर्मण्यता वाली नीति का अंग है। हम लोग यानी आम नागरिक भी लगता है इन अमानवीय कृत्यों के प्रति उदासीन हो गए हैं। पीड़ितों के प्रति सहानुभूति गायब है, सिर्फ हित जो बाकी बचा, वह है 'मैं-मेरा-अपना'। बिना प्रश्रय अपराध फल-फूल नहीं सकता, इसके बिना अपराधी, आतंकवादी आंदोलन प्रफुल्लित नहीं हो सकते, न ही भ्रष्टाचार और न ही नौकरशाही और पुलिस में मौजूदा आपराधिक प्रवृत्ति वाले तत्व पल-बढ़ सकेंगे। मदद और प्रश्रय अब दबी-ढकी नहीं रही, बल्कि उघड़ी और प्रत्यक्ष है। हमारे राजनीतिक नेतृत्व के चाल-चलन का सूक्ष्म उदाहरण देखना हो तो हाल ही में दिल्ली नगर निगम की विभिन्न कमेटियों के सदस्यों के चुनाव के दौरान रहा मंज़र याद करें। सदन में हमारे ये तथाकथित नेतागण अपनी कूवत का पूरा गौरवपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, मर्द नेता दूसरे मर्द को घूंसे मार रहा था तो नेत्री अपने प्रतिद्वंद्वी को बालों से पकड़कर घसीट रही रही थी और इस संग्राम में, जो जिसके हाथ लगा, वह फेंक रहा था। तो यह है हमारे लोकतंत्र की नुमाइश। इसी तरह, पंजाब के अजनाला में पुलिस थाने पर सशस्त्र भीड़ का हमला होना और दबाव में आई सरकार द्वारा गिरफ्तार व्यक्ति को छोड़ने वाला प्रसंग अपनी कहानी आप बयां करता है। इसके बाद मीडिया में खबर आई कि तथाकथित उच्च सुरक्षा जेल में बंद दुश्मन गैंगस्टरों की आपसी लड़ाई में सिद्धू मूसेवाला के कथित कातिलों में दो मारे गए। जाहिर है, यह खूनी मारपीट घंटों चली होगी - इस बीच जेल व्यवस्था और आचार संहिता कहां थी? यह कत्ल और प्रशासनिक अमले की अकर्मण्यता आगे अफवाहों और साजिश-कथाओं को जन्म देंगे। सवाल उठना जायज हैं कि क्या यह घटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश से जांच करवाने लायक नहीं? इस सबके बीच आतंकवादियों द्वारा मारे गए कश्मीरी पंडितों की संख्या में और इजाफा हो रहा है, नवीनतम मामला पुलवामा का है। आखिर कब तक कश्मीरी पंडितों के परिवार स्वजनों की मौत का शोक मनाते रहेंगे? हमारे लिए यह भले ही एक संख्या भर हो लेकिन उनके लिए जीते-जागते इंसान की क्षति है। इस सारी स्थिति की अंतिम जिम्मेवारी राजनीतिक नेतृत्व पर अहद है, जिसने समय रहते समस्याएं नहीं सुलझाईं और उन्हें जटिल और ज्वलनशील बिंदु तक पहुंचने दिया। इस पूर्ण राजनीतिक कोताही के परिणामस्वरूप इस इलाके पर शोक और डर का साया तारी होता गया। हम और आप में, अपनी-परिवार-समुदाय की सलामती को लेकर सहम व्याप्त है। हमारे अंदर भरी जाने वाली डर की इस भावना का एकमात्र मकसद चुनाव में जीत हासिल करके सत्ता-प्राप्ति की पिपासा है। हमारे राजनीतिक दलों के लिए चुनाव जीतना ही सब कुछ और अंतिम ध्येय है। इसकी एवज में नफरत की बोली और रंजिश सामान्य-कर्म हो चला है और सभ्य संवाद अपवाद। यदि किसी एक मंच से नफरत का प्रचार हो रहा है तो दूसरे से डर का हौवा। ऐसे में शांति और विकास कैसे हो पाएंगे? देश को बड़ा दिशा-सुधार करने की फौरी जरूरत है और इसकी शुरुआत सत्ता-शीर्ष से होकर समाज के निचले स्तर तक करनी होगी। नफरत की बोली को प्यार की भाषा में तब्दील होना होगा, आपसी रार की जगह एकता ले। यदि हमने यह दिशा-सुधार न किया तो हमें स्वयं और बड़े खतरे में पड़ने को तैयार कर लेना चाहिए। जैसा कि यीट्स की उक्ति है '...रक्त-सना ज्वार चढ़ आया, चहुंओर मासूमियत डूब गई, श्रेष्ठता में जहां दृढ़ता नदारद है, वहीं बुराई जुनूनी तीव्रता से लबरेज है।'

लेखक मणिपुर के राज्यपाल रहे हैं।

## आज का राशीफल

**मेष** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**वृषभ** व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

**मिथुन** आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

**कर्क** राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

**सिंह** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

**कन्या** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

**तुला** गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

**वृश्चिक** व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**धनु** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

**मकर** बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

**कुम्भ** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

**मीन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

# जंगल सत्याग्रह के सौ वर्ष पर यात्रा

(लेखक - कुमार कृष्णन)

जल,जंगल और जमीन की स्वाधीनता और स्वायत्तता के सफल आंदोलनों का लंबा इतिहास रहा है। 300 बरसों में जंगल-जमीन के लिये तिलका मांझी, बिरसा मुंडा, रानी सुबरन कुंवर, तांत्या भील और बृजवासी पाउना जैसे अनेकों नेतृत्वकर्ताओं और उनके नेतृत्व में हुये सफल आंदोलनों और सत्याग्रहों का लंबा इतिहास रहा है। यहा वर्ष गट्टा सिल्ली जंगल सत्याग्रह का शताब्दी बर्ष है। छत्तीसगढ़ के नगरी-सिहावा (धमतरी) के ऐतिहासिक गट्टासिल्ली गांव में महात्मा गाँधी की प्रेरणा से जंगल - जमीन और उन पर निर्भर आदिवासी तथा वन निवासी समाज के अधिकारों के लिए हुए अनेक ऐतिहासिक आंदोलनों में जंगल सत्याग्रह का अपना विशेष महत्व है।नगरी-सिहावा के आदिवासियों का जीवन जंगल पर निर्भर है। उनकी जरूरतें जंगल से पूरी होती रही है। ब्रिटिश सरकार ने वनोत्पादनों को सरकारी घोषित कर दिया। आदिवासियों के परंपरागत अधिकार समाप्त कर दिए गए। लकड़ी लेने पर जुर्माना लगता था। जनवरी 1922 को छत्तीसगढ़ के सिहावा-नगरी क्षेत्र में भारत का प्रथम जंगल सत्याग्रह प्रारंभ हुआ जिसका उद्देश्य आदिवासी समाज और स्थानीय वन निवासियों के अधिकारों को स्थापित करना था। छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचल में जंगल सत्याग्रह की शुरुआत - तत्कालीन ब्रिटानिया हुकूमत द्वारा लागू आदिवासी विरोधी वन कानून - जैसे वनोपजों पर टैक्स तथा बेगारी अथवा अल्प मजदूरी में कार्य करने के लिये विवश किये जाने के विरोध में हुआ था।आंदोलनकारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जंगल से जलावन की लकड़ी काटकर ब्रिटिश सरकार का जंगल कानून तोड़ा जाए और गिरफ्तारी दी जाए। सत्याग्रह के तीसरे दिन अंग्रेज अधिकारी व हथियारों लैस पुलिस के दर्जनों सिपाही नगरी पहुंच गए। 33 सत्याग्रहियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

बाद में यह जंगल सत्याग्रह गट्टा सिल्ली (धमतरी), मोहबना पोड़ी (दुर्ग), सीपत (बिलासपुर), रुद्री नवागांव (धमतरी), तमोरा (महासमुंद), लभरा (महासमुंद), बांधाखार (कोरबा), सारंगगढ़ (रायगढ़), छुईखदान (राजनाँदगाँव), बदराटोला (राजनाँदगाँव) आदि क्षेत्रों में तेजी से फैला और हजारों सत्याग्रहियों नें मिलकर इसे सफल बनाया।

1923 में सिहावा- नगरी, धमतरी में हुए जंगल सत्याग्रह की सफलता तथा वन अधिकार पर सार्थक जन संवाद के लिए एकता परिषद् द्वारा विख्यात गाँधीवादी राजगोपाल सहित स्थानीय ग्रामीण मुखियाओं के नेतृत्व में 'जंगल सत्याग्रह के सौ बरस' का आयोजन किया गया है।सौ वर्ष बाद भी स्थिति विपरित है, फर्क यह 1923 में अंग्रेजों के खिलाफलड़े, आज अपनी ही चुनी हुई सरकारों के खिलाफयहां के आदिवासियों को खड़ा होना पड़ रहा है। सत्याग्रह वर्ष पर आदिवासियों ने आदिवासियों ने वन भूमि पर अपने आजा- पुरखो के समय से चले आ रहें अधिकारों को मांग के लिए हुंकार भरी। सत्याग्रह में पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरविंद नेताम, पूर्व केन्द्रीय मंत्री भक्तचरण दास, अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के मनीष कुंजाम, एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रनसिंह परमार, किसान आंदोलन के सुदेश पैंकरा, आसाम के आदिवासी सांसद नब्बासरण्या, सरगुजा के आदिवासी नेता गंगाराम पैंकरा, राष्ट्रीय संयोजक अनिष कुमार, वरिष्ठ कार्यकर्त्ता अनिल भाई, हरियाणा के राकेश तंवर सहित देश भर के गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता और जंगल सत्याग्रह के सत्याग्रही परिवार के वंशज भी भाग ले रहे हैं ।

सत्याग्रह स्तंभ पर पुष्पांजलि देने के बाद पदयात्रा प्रारंभ हो गयी।

एकता परिषद के द्वारा आयोजित इस सत्याग्रह में उड़ीसा से आए पूर्व केंद्रीय मंत्री भक्तचरण दास ने कहा की यू पी ए सरकार के द्वारा लाए गए वन अधिकार कानून की मंशा आदिवासियों को उनके वन अधिकार देना रहा। जंगल को बचाने के लिए जंगल का अधिकार आदिवासियों को देना होगा।

अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के मनीष कुंजाम ने कहा कि सरकार को अभियान चलाकर आदिवासियों को वन का अधिकार सौंप देना चाहिए। जंगल सत्याग्रह इतिहास के लेखक आशीष ठाकुर ने कहा कि पहले जंगल काटकर सत्याग्रह सौ साल पहले शुरू हुआ था, अब जंगल बचाकर सत्याग्रह करना होगा। सरगुजा के सामाजिक कार्यकर्ता गंगाराम पैंकरा ने कहा कि बहुत सारे जगहों पर आदिवासियों को वन अधिकार मिला है, उसे और भी सक्रियता के साथ बाकी बचे हुए दावेदारों को देने की जरूरत है।

कवर्धा के बैगा आदिवासी नेता शिकारी बैगा ने कहा कि सरकार हमारी जमीन की समस्या हल करें। बृज पटनायक ने कहा कि आज भी देश में कई जगह है जहां पर सरकार अपने काम के लिए समुदाय से जमीन लेती है। जंगल क्षेत्र की जमीनों का अधिकार उसके वास्तविक अधिकारी आदिवासियों को सौंपना चाहिए। प्रशांत कुमार पी.व्ही एवं मुरली दास संत, राज्य समन्वयक ने बताया कि इस सत्याग्रह में छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के साथ ङ्क साथ राष्ट्रीय स्तर पर आदिवासी समुदाय के लिए काम करने वाले सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग भी भाग ले रहे हैं। सत्याग्रह के पूर्व एकता परिषद के संस्थापक एवं वरिष्ठ गांधी विचारक राजगोपाल पी व्ही ने आज कई गांवों का भ्रमण कर आदिवासियों की वन भूमि समस्याओं को जाना और पीड़ितों अपना आंदोलन जारी रखने के लिए प्रेरित किया। राजनांदगांव के आदिवासी कार्यकर्ता मोहम्मद खान ने कहा कि जंगल आदिवासियों की हैं जिस पर अंग्रेजों के द्वारा बनाए गए वनविभाग ने बेजा कब्जा कर रखा हैं उससे तुरंत वनविभाग खाली करें। जंगल सत्याग्रह के समर्थन में आए आसाम के आदिवासी सांसद नव कुमार सरनया ने भाजपा और कांग्रेस की नीतियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ये आदिवासी हितों के लिए काम नही कर रहे है इसलिए अब की बार आदिवासी सरकार की बात करने होगी। हरियाणा प्रदेश से आए सामाजिक कार्यकर्ता राकेश तवर ने सत्याग्रह के प्रति अपना समर्थन देते हुए कहा कि देश में यदि जंगल बचाना है तो उसका अधिकार आदिवासियों को मिलना चाहिए। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के जम्मू कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष तनवीर अहमद डार ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षा के लिए आदिवासियों को वनाधिकार दिया जाना जरूरी है।काला हांडी से आए हुए जगरनाथ भाई ओडिसा के ने कहा कि बिना जंगल के आदिवासी नहीं रह सकता और बिना आदिवासी के जंगल सुरक्षित नहीं रह सकता ।वरिष्ठ गांधी विचारक राजगोपाल पी व्ही का मानना है कि यह यात्रा आदिवासियों के आंदोलन को याद करने का है। बिरसा मुंडा के आंदोलन को तो सब लोग जान रहे हैं। बैतुल, छिन्दवारा, सिहावा, धमतरी के बारे में लोगों को जानकारी कम है। अलग-अलग जगह का अपना इतिहास है।एक प्रकार आदिवसियों के कुर्वानियों को याद करने के साथ इस बात पर विचार करने की आवश्यकता है कि आज आदिवासियों के साथ क्या हो रहा है? आदिवासियों ने जिस जंगल के लिए और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ देश के लिए संघर्ष किया है,आज उनको जीवन जीने के संसाधन प्राकृतिक संसाधन जल, जंगल,जमीन से विस्थपित किया जा रहा है, बाहर निकलने के लिए, पलायन करने के लिए,शहर के झुग्गी झोपड़ियों में रहने को बाध्य हैं। पेसा, वनाधिकर कानून, जो आदिवासियों के हित में बने हैं,उसे लागू करना बहुत जरूरी है।

विचार मंथन

# रूस यूक्रेन युद्ध में अमेरिका और यूरोपीय देशों की चांदी

(लेखक-सनत जैन)

जी-20 देशों की बैठक नई दिल्ली में हुई। इस बैठक में पहली बार अमेरिका के खिलाफ सदस्य देशों ने खुलकर बोलने की जहमत उठाई है। अमेरिका की जो दादागिरी पिछले 50 सालों से चल रही थी। उसके विरोध में पहली बार जी-20 जैसी बैठक में सदस्य देश मुखर होकर अपनी बात कहने लगे हैं। यह अमेरिका के लिए अच्छे संकेत नहीं है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमिन ने यूक्रेन युद्ध की आड़ में यूरोपीय कंपनियों पर भारी मुनाफा कमाने का आरोप लगाते हुए मुआवजे की मांग की।उनका कहना था,कि रूस के ऊपर आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है।लेकिन इसका खामियाजा विकासशील और गरीब राष्ट्रों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने बैठक में कहा कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा जो कमाई प्रतिबंध के बाद की गई है। उसका 20 फ़ीसदी हिस्सा मुनाफे का, जिन देशों ने अधा-धुंध कमाई की है। उसे मुआवजे के रूप में वापस किया जाना चाहिए। अमेरिकी प्रतिबंध के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस,कच्चे तेल,खाद,रक्षा, इत्यादि सामग्रियों की कीमत में भारी इजाफा किया गया है।अमेरिका के तेल,,गैस और रक्षा संबंधित कंपनियों ने यूक्रेन युद्ध की आड़ में भारी मुनाफा कमाया है। अमेरिका में रिकॉर्ड गैस का उत्पादन हुआ है। सदस्य देशों को महंगी कीमत पर सप्लाई की गई है। इसी तरह रक्षा सौदों में भी मनमानी कीमत वसूल की जा रही है। एलएनजी गैस के निर्यातकों ने कीमतें बढ़ाकर सप्लाई की है। जी-20 की बैठक में इस संबंध में निर्णय करना होगा।

इसी तरह रूस के विदेश मंत्री ने अमेरिका को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका सारी दुनिया में अपनी दादागिरी फैलाना चाहता है। गलत आरोप लगाकर युद्ध की विभीषिका में कई देशों को आपस में झोंक देता है। उन्होंने बैठक में इराक का उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका के विदेश मंत्री ने एक शीशी दिखाई थी। इराक के ऊपर युद्ध छेड़ दिया था। अमेरिका हमेशा इसी तरीके के झूठे आरोप लगाकर युद्ध कराता है। अफगानिस्तान और लीबिया का भी उदाहरण देकर कहा युद्ध से अमेरिका को फायदा होता है। उन्होंने अपने देश का पक्ष तरीके से रखते हुए अमेरिका पर निशाना साधा।

वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया भर के देशों के बीच आर्थिक, व्यापारिक संबंधों में इजाफा हुआ है। जी-20 के सदस्य देश पहली बार महाशक्तियों के खिलाफ बोल रहे हैं। जी-20 बैठक की इसे बड़ी सफलता माना जाना चाहिए। इसके साथ ही सदस्य देश अब इस बात को समझने लगे हैं, कि उन्हें मोहरा बनाकर अमेरिका जैसे देश कैसे अपने हितों का संवर्धन करते हैं। अमेरिका, रूस, चीन जैसे देशों को इस बात को समझना होगा, कि वह अपने आर्थिक और सामरिक लाभ के लिए दुनिया के देशों को इस तरह से मोहरा नहीं बना सकते हैं। रूस और यूक्रेन के बीच जो युद्ध हो रहा है। उसमें यूक्रेन की तो बर्बादी हो रही है। रूस जैसी महाशक्ति कमजोर हो रही है। लेकिन विकासशील और गरीब देश भी इससे अछूते नहीं रहे। व्यापक स्तर पर अब इसका विरोध होना शुरू हो गया है। अमेरिका को भी समय

रहते समझना होगा। दुनिया के देश डालर मुद्रा की जगह अब अन्य मुद्रा की तलाश कर रहे हैं। अमेरिका के ऊपर कम आश्रित होने की नीति पर काम कर रहे हैं। दुनिया के कई देशों ने अपनी ही मुद्रा में लेन-देन शुरू कर दिया है। यह संकेत अमेरिका के लिए भी ठीक नहीं है।

# राग-रंग का लोकप्रिय पर्व

# होली

**होली भारत का प्रमुख त्योहार है। होली जहाँ एक ओर सामाजिक एवं धार्मिक त्योहार है, वहीं रंगों का भी त्योहार है। बाल-वृद्ध, नर-नारी सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। इसमें जातिभेद-वर्णभेद का कोई स्थान नहीं होता। इस अवसर पर लकड़ियों तथा कंडों आदि का ढेर लगाकर होलिकापूजन किया जाता है फिर उसमें आग लगायी जाती है। पूजन के समय मंत्र उच्चारण किया जाता है।**

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता हैं। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहां भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता हैं। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते है। दूसरे दिन, जिसे प्रमुखत: धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन इसके अन्य नाम हैं, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं।

राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुँचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्योहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूँ की बालियाँ इठलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूलकर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ़ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

## विशिष्ट उत्सव

भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में भिन्नता के साथ मनाया जाता है। ब्रज की होली आज भी सारे देश के आकर्षण का बिंदु होती है। बरसाने की लठमार होली काफ़ी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएँ उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। इसी प्रकार मथुरा और वृंदावन में 15 दिनों तक होली का पर्व मनाया जाता है। कुमाऊँ की गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियाँ होती हैं। यह सब होली के कई दिनों पहले शुरू हो जाता है। हरियाणा की धुलंडी में भाभी द्वारा देवर को सताए जाने की प्रथा है। बंगाल की दोल जात्रा चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। जलूस निकलते हैं और गाना बजाना भी साथ रहता है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलने, गोवा के शिमगो में जलूस निकालने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्खों द्वारा शक्ति प्रदर्शन की परंपरा है। तमिलनाडु की कमन पोडिगई मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोतसव है जबकि मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोंपड़ी का नाम है जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के लिए होली सबसे बड़ा पर्व है, छत्तीसगढ़ की होरी में लोक गीतों की अद्भुत परंपरा है और मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी इलाकों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है भगोरिया, जो होली का ही एक रूप है। बिहार का फगुआ जम कर मौज मस्ती करने का पर्व है और नेपाल की होली में इस पर धार्मिक व सांस्कृतिक रंग दिखाई देता है। इसी प्रकार विभिन्न देशों में बसे प्रवासियों तथा धार्मिक संस्थाओं जैसे इस्कॉन या वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में अलग अलग प्रकार से होली के शृंगार व उत्सव मनाने की परंपरा है जिसमें अनेक समानताएँ और भिन्नताएँ हैं।

## आधुनिकता का रंग

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और ठुमरी की शान में कमी नहीं आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

## होलिका दहन और धुलैंडी का पर्व कब है, 6, 7 या 8 मार्च को?

होलिका दहन को लेकर कंफ्यूजन है, 6 को, 7 को या 8 मार्च को? होली के बाद कब रहेगी धुलेंडी। ज्योतिष मान्यता के अनुसार कब होना चाहिए होलिका दहन और कब मनाएं धुलैंडी का पर्व? इसके बाद रंगपंचमी का त्योहार कब रहेगा।

**कब जलाते हैं होली :** पूर्णिमा के दिन प्रदोष काल में होलिका दहन किया जाता है और उसके दूसरे दिन धुलेंडी का पर्व मनाया जाता है।

**पूर्णिमा तिथि :** पूर्णिमा तिथि 06 मार्च दिन सोमवार को शाम 04:17 पर आरंभ होगी और इस तिथि का समापन 07 मार्च दिन मंगलवार को शाम 06:09 पर होगा।

**6 मार्च :** 06 मार्च को प्रदोष काल में पूर्णिमा तिथि है लेकिन 7 को पूर्णिमा तिथि में प्रदोष काल नहीं रहेगा। कई जगहों पर पंचांग भेद के कारण 06 मार्च को होलिका दहन होगा, क्योंकि इसी दिन प्रदोष काल में पूर्णिमा तिथि रहेगी।

**7 मार्च :** 06 मार्च को पूर्णिमा तिथि के प्रारंभ होने के साथ ही भद्रा भी शुरु हो जाएगी जो 07 मार्च सुबह 05:15 तक रहेगी। कुछ लोग भद्रा में होलिका दहन नहीं करना चाहते हैं। अन्य मतानुसार पूर्णिमा तिथि दो दिन प्रदोष व्यापिनी हो तो दूसरे दिन दहन किया जाता है। यानी 07 मार्च को शाम को या रात्रि में होलिका दहन होगा।

**धुलैंडी :** धुलैंडी का पर्व अगले दिन मनाया जाएगा। अधिकतर मतानुसार 07 मार्च को होलिका दहन होगा और 08 मार्च को होली खेली जाएगी। यानी धुलैंडी मनाई जाएगी।

## होली खेलने से पहले इन बातों का रखें ध्यान!

**रंगों और खुशियों के त्योहार होली के रंग में सराबोर होने के लिए घर से निकलने से पहले आपको त्वचा और बालों की सुरक्षा के संबंध में कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए, जिससे आपको किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े. त्वचा विशेषज्ञ ने होली खेलने निकलने से पहले त्वचा की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं -**

- कुछ लोग होली खेलने के पहले बाल यह सोचकर नहीं धुलते हैं कि रंग खेलने से बाल गंदे होने ही हैं, लेकिन पहले से गंदे बाल में रंग लगने से आपके बालों को और नुकसान पहुंच सकता है और बाल रुखे हो सकते हैं, इसलिए बाल धुलकर, सुखाने के बाद बालों में अच्छी तरह से तेल लगाकर ही होली खेलने निकलें.
- होली खेलने निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम लगाना नहीं भूलें, क्योंकि तेज धूप में आपकी त्वचा झुलस सकती हैं और रंग काला पड़ सकता है.
- बाजार में उपलब्ध सिंथेटिक रंगों में हानिकारक केमिकल और शीशा भी हो सकता है, जिससे आपकी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए त्वचा और बालों पर अच्छे से तेल लगाएं और हो सके तो प्राकृतिक रंगों या घर पर बने टेसू के फूल वाले रंग से होली खेलें. कानों के पीछे, उंगिलयों के बीच में भी तेल अच्छे से लगाएं और नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाना नहीं भूलें. बालों में नारियल तेल डालकर अच्छे से मसाज करें, इससे आपके बाल रूखे भी नहीं होंगे.
- शरीर के अधिकांश हिस्सों को रंगों से बचाने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, सूती रंग के ही कपड़े पहनें, क्योंकि भीगने पर सिंथेटिक कपड़े शरीर से चिपक जाते हैं और आपको उलझन महसूस हो सकती है.
- फलों और सब्जियों के छिलकों को सुखाकर उसमें टेल्कम पाउडर और संतरे के सूखे छिलकों के पाउडर को मिलाकर होली खेलना एक अच्छा विकल्प है. इसमें हल्दी पाउडर, जिंजर रूट पाउडर व दालचीनी पाउडर भी मिलाए जा सकते हैं, जो आपकी त्वचा के लिए हानिकारक साबित नहीं होंगे, लेकिन इन पाउडर को जोर से त्वचा पर मले नहीं, क्योंकि इससे लालिमा, खरोंच या दानें पड़ सकते हैं और त्वचा में जलन हो सकती है.
- होली खेलने के बाद सौम्य फेसवॉश या साबुन का ही इस्तेमाल करें, क्योंकि हार्श साबुन से त्वचा रूखी हो सकती है, नहाने के बाद मॉइश्चराइजर और बॉडी लोशन जरूर लगाएं.
- बालों को सौम्य हर्बल शैम्पू से अच्छी तरह से धुलें, ताकि अभ्रक युक्त और केमिकल वाले रंग बालों से अच्छी तरह से निकल जाएं, शैम्पू के बाद बालों का रूखापन दूर करने के लिए एक मग पानी में एक नींबू का रस मिलाकर धुलें या फिर बीयर से भी बाल धुला जा सकता है, इससे आपके बाल मुलायम रहेंगे.

## क्या है होली और राधा-कृष्ण का संबंध

होली के पर्व का जिक्र आते ही मन रंगों से खेलने लगता है और प्रेम के इस पर्व में हर कोई राधा व कृष्ण हो जाना चाहता है। आप सोच रहे होंगे कि राधा व कृष्ण का होली से क्या नाता है तो आइये जानते हैं। होली और राधा-कृष्ण का क्या संबंध है।

भगवान विष्णु ने जितने भी अवतार धारण किये हैं चित्रों के माध्यम से उन्हें सांवले रंग का दिखाया जाता है और भगवान श्री कृष्ण का तो नाम ही श्याम लिया जाता है। लेकिन उनका यह श्याम रंग बनने की कहानी है। दरअसल जब श्री कृष्ण के मामा कंस ने राक्षसी पुतना को जन्माष्टमी के दिन जन्मे शीशुओं को स्तन से विषपान करवाकर मरवाने के लिये भेजा तो श्री कृष्ण ने विषपान तो किया लेकिन भगवन का क्या बिगड़ना था, पुतना तो मारी गई लेकिन बाल गोपाल विषपान करने से श्याम वर्ण के हो गये। अब उन्हें यह चिंता सताने लगी कि इस श्याम रंग के साथ प्रिय सखी राधा सहित अन्य गोपियां उन्हें भाव नहीं देंगी। गौर वर्णीय राधा को जब भी वे देखते उन्हें स्वयं का श्याम वर्ण होना अखरने लगता। वे इसकी शिकायत अपनी मैया यशोदा से करते हैं वो गीत तो आपने भी सुना होगा यशोमति मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गौरी मैं क्यूं काला। तो माता उन्हें प्रसन्न करने के लिये सुझाव देती हैं वह भी राधा के मुख पर वैसा ही रंग लगा दे जैसा वे चाहते हैं। बस माता की शय मिलने की देर थी, नटखट श्याम राधा सहित सभी गोपियों को रंगने लग जाते हैं। धीरे-धीरे उनकी यह शरारत फैलने लगती है और ऋतुराज वसंत के इस प्यार भरे मौसम में एक दूसरे पर रंग डालने की यह लीला एक प्रेममयी परंपरा के रूप में हर साल फाल्गुन के महीने में निभायी जाने लगती है। होली के दिनों में मथुरा वृंदावन का नजारा तो आज भी देखते ही बनता है।

## क्या है महत्व

वैसे यह श्री राधा व भगवान श्री कृष्ण की होली पर खेली गई यह प्रेम लीला एक प्रतीक भर है कि यह रंग कोई भौतिक रंग नहीं है बल्कि भक्ति का रंग है। भगवान का रंग है, सद्भावना का रंग है, विश्वास का रंग है जिनसे होली खेली जाती है। और जो होली जलाई जाती है वह संदेह की, अंहकार की, वैरभाव की, ईर्ष्या की होली जलाई जाती है जिसके उपरांत ही निष्काम प्रेम की कामना पूर्ण होती है और अपने आराध्य श्री कृष्ण की अपने ठाकुर जी की कृपा प्राप्त होती है।

## सोना 56000 प्रति 10 ग्राम और चांदी 64000 रुपए किलो

**नई दिल्ली ।** पिछले कई महीनों से सोने और चांदी के दाम में लगातार तेजी देखी जा रही है। फिलहाल सोना 56000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 64000 रुपए प्रति किलो के मनोवैज्ञानिक स्तर आंकड़े के करीब बिक रहा है। हालांकि पिछले पूरे कारोबारी हफ्ते के दौरान सोने और चांदी के दाम मिलाजुला रूख रहा। पिछले कारोबारी हफ्ते में सोना के दाम 46 रुपए प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज की जबकि चांदी की कीमत में 192 रुपए प्रति किलो की दर से गिरावट दर्ज की गई। गौरतलब है कि इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोशिएशन की ओर से केंद्रीय सरकार द्वारा घोषित छुट्टियों के अलावा शनिवार और रविवार को भाव जारी नहीं किए जाते हैं। यानी अब सोने-चांदी का नया भाव सोमवार को जारी होगा। इस कारोबारी हफ्ते के पांचवे और आखिरी दिन शुक्रवार को सोना 16 रुपए प्रति 10 ग्राम की दर से महंगा होकर 56103 रुपए प्रति किलो जबकि गुरुवार को 53 रुपए प्रति 10 ग्राम की दर से सस्ता होकर 56087 रुपए प्रति किलो, बुधवार को सोना 590 रुपए प्रति 10 ग्राम की दर से महंगा होकर 56140 रुपए प्रति किलो, मंगलवार को 116 रुपए प्रति 10 ग्राम की दर से सस्ता होकर 55550 रुपए प्रति किलो और सोमवार को सोना 291 रुपए प्रति 10 ग्राम की दर से सस्ता होकर 55666 रुपए प्रति किलो पर बंद हुआ। वहीं शुक्रवार को चांदी 433 रुपए तेज होकर 64139 रुपए, गुरुवार को 540 रुपए गिरकर 63706 रुपए बुधवार को 1239 रुपए तेज होकर 64246 रुपए, मंगलवार को 439 रुपए की नरमी के साथ 63007 रुपए और सोमवार को चांदी 885 रुपए की नरमी के साथ 63446 रुपए प्रति किलो पर बंद हुई थी।

## समान सोच वाले देशों को मिलकर काम करना चा हिएः चंद्रशेखर

**नई दिल्ली ।** सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवाचार की दुनिया कोरोना काल के बाद बुनियादी बदलाव के दौर से गुजर रही है और प्रौद्योगिकी के उज्ज्वल भविष्य के लिए समान सोच वाले देशों को सहयोगात्मक ढांचा तैयार करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। चंद्रशेखर ने कहा कि नागरिकों को ऑनलाइन उपयोग के नुकसानों से बचाने के लिए भारत ने भारतीय इंटरनेट पर काम करने के लिए खुलेपन, सुरक्षा और भरोसे के साथ-साथ मंचों और कंपनियों के लिए जवाबदेही की सीमा शर्तों को परिभाषित किया है। चंद्रशेखर ने हाल ही में अयहां आयोजित रायसीना डायलॉग 2023 सम्मेलन में 'लोकतंत्र के ग्यारह' हमारे प्रौद्योगिकी भविष्य की रक्षा विषय पर आयोजित एक परिचर्चा में उम्मीद जताई कि वैश्विक सहयोग मिलने पर ये सिद्धांत अन्य देशों के बीच व्यापक भूमिका निभाएंगे।भारत में इंटरनेट प्रतिबंध से जुड़े एक सवाल पर चंद्रशेखर ने कहा कि भारत में ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या और सामग्री पारिस्थितिकी तंत्र की विविधता या विशालता के प्रतिशत के तौर पर इंटरनेट प्रतिबंध यहां पर दुनिया में सबसे कम है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने या किसी सोशल मीडिया पोस्ट को हटाने की प्रक्रिया कानून के हिसाब से अंजाम दी गई है और विशेष परिस्थितियों में सरकार ने कानून का पालन करते हुए ही इसका आदेश दिया है।

## वीएफएस कैपिटल 2023-24 में 1,500 करोड़ जुटाएगी

**कोलकाता।** सूक्ष्म-वित्त संस्थान वीएफएस कैपिटल अपनी वृद्धि एवं विस्तार योजनाओं को गति देने के लिए अगले वित्त वर्ष में करीब 1,500 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में कंपनी ने करीब 800 करोड़ रुपए जुटाए हैं। माइती ने एक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए कहा` कि अपनी शाखाओं का विस्तार करने और ऋण वितरण बढ़ाने पर है। इसके लिए हम वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 1,500 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की तरह भारत में सूक्ष्म-वित्त संस्थानों को जमा लेने की अनुमति नहीं होने से उनके लिए वित्त का इंतजाम करना महंगा हो जाता है। ऐसी स्थिति में हमें सिर्फ बैंकों एवं गैर-बैंकिंग वित्त संस्थानों से ही वित्त मिल पाता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वीएफएस कैपिटल का लघु वित्त बैंक (एसएफबी) का लाइसेंस पाने के लिए आवेदन करने का फौरन कोई इरादा नहीं है। एसएफबी को लोगों से पैसे लेने की छूट होती है।

# वस्तु, सेवा निर्यात 750 अरब डॉलर रहने की उम्मीदः गोयल

**नई दिल्ली ।(एजेंसी)**

आर्थिक स्तर पर दुनियाभर में छाई अनिश्चिताओं के बावजूद देश का गुड्स एंड सर्विस एक्सपोर्ट लगातार बढ़ रहा है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में एक्सपोर्ट का आंकड़ा 750 अरब डॉलर के पार रह सकता है। इससे पहले वित्त वर्ष 2021-22 में देश ने गुड्स एक्सपोर्ट में ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया था। पीयूष गोयल ने बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 में देश का वस्तु निर्यात 422 अरब डॉलर का था जबकि सेवाओं यानी सर्विसेस का एक्सपोर्ट 254 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। इसी के साथ उस साल देश का गुड्स एंड सर्विस एक्सपोर्ट 676 अरब डॉलर रहा था। पीयूष गोयल ने हाल ही में 'रायसीना डायलॉग 2023' सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हमने पिछले वित्त वर्ष में गुड्स एंड सर्विस एक्सपोर्ट में 650 अरब डॉलर का आंकड़ा पार किया था। इस साल हम इससे भी बड़े आंकड़े का लक्ष्य बना रहे हैं। हम पिछले साल के आंकड़े को पार कर चुके हैं। अब 750 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि बीते कुछ वक्त में वैश्विक मांग में मंदी आई है। इसका असर भारत के एक्सपोर्ट पर भी पड़ा है। ये लगातार दूसरे महीने जनवरी में 6.6 प्रतिशत गिरकर 32.91 अरब डॉलर रहा है। इस वित्त वर्ष 2022-23 में अप्रैल से जनवरी के दौरान देश से गुड्स का एक्सपोर्ट 8.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ 369.25 अरब डॉलर हो गया जबकि सर्विस एक्सपोर्ट इस दौरान 272 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने उम्मीद जताई कि वर्ष 2030 तक भारत का गुड्स एंड सर्विस एक्सपोर्ट 2,000 अरब डॉलर यानी 2 लाख करोड़ डॉलर के पार तक पहुंच जाएगा।

## सरकार ने साबुत तुअर दाल पर से सीमा शुल्क हटाया

**नई दिल्लीः** केंद्र सरकार ने साबुत अरहर (तुअर) दाल पर लगे 10 प्रतिशत सीमा शुल्क को हटा दिया है। सरकार ने यह कदम अरहर दाल की बढ़ती कीमतों पर रोक लगाने के लिए उठाया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने तीन मार्च की एक अधिसूचना में कहा है कि तुअर (साबुत) दाल पर अब कोई सीमा शुल्क नहीं लगेगा। यह आदेश चार मार्च से प्रभावी हो गया है। हालांकि साबुत तुअर दाल से इतर अन्य तुअर उत्पादों के आयात पर 10 प्रतिशत की दर से सीमा शुल्क लगता रहेगा। देशभर में तुअर दाल के कम उत्पादन की आशंका के बीच साबुत तुअर दाल पर से सीमा शुल्क हटाने का फैसला किया गया है। तुअर की दाल खरीफ की फसल है। कृषि मंत्रालय के शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, तुअर दाल का उत्पादन जुलाई 2022-जून 2023 सत्र में गिरकर 38.9 लाख टन रह सकता है जबकि पिछले सत्र में यह 43.4 लाख टन रहा था।

## आईफोन 15 प्रो में वॉल्यूम कंट्रोल के लिए नहीं होंगे दो बटन

**सैन फ्रांसिस्को ।** आईफोन बनाने वाली टेक दिग्गज कंपनी एप्पल के आगामी आईफोन 15 प्रो स्मार्टफोन में वॉल्यूम कंट्रोल के लिए दो बटन नहीं होंगे। एप्पल इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार आगामी स्मार्टफोन के लीक हुए चित्र दिखाते हैं कि नियमित दो वॉल्यूम बटनों को एक लंबे बटन से बदल दिया जाएगा। यह संभवत- आईफोन 15 प्रो को अधिक पानी और धूल प्रतिरोधयुक्त बनाएगा क्योंकि सॉलिड-स्टेट बटन को काम करने के लिए फ्रेम में बहुत छोटे छेद की जरूरत होती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले आईफोन 15 प्रो और आईफोन 15 प्रो मैक्स के इस साल सितंबर में रिलीज होने की उम्मीद है और इसमें घुमावदार टाइटेनियम साइड और ईयू-एनफोर्स्ड यूएसबी-सी चा र्जिंग पोर्ट होगा। यह भी अफवाह थी कि तकनीकी दिग्गज केवल आईफोन 15 प्रो मॉडल के लिए वाई-फाई 6ए नेटवर्क के लिए समर्थन लाएगा। पिछले महीने खबर आई थी कि आईफोन 15 प्रो स्मार्टफोन 8जीबी रैम से लैस होगा।

# यूपी में इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदने पर नहीं लगेगा टैक्स

### - 14 अक्टूबर 2022 से तीन साल तक ईवी खरीद पर टैक्स व रजिस्ट्रेशन पर छूट मिलेगी

**लखनऊ ।(एजेंसी)**

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए बड़ा निर्णय किया है। इसके अनुसार अब यहां पर इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की खरीद पर कोई टैक्स नहीं लगेगा और न ही कोई रजिस्ट्रेशन फीस देनी होगी। उत्तर प्रदेश शासन ने पूर्व में जारी अधिसूचना को संशोधित करते हुए यह निर्णय किया है। इसके अंतर्गत 3 साल तक का टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस नहीं देनी होगी। वहीं प्रदेश में ही निर्मित इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की खरीद पर यह छूट 5 साल तक मान्य होगी। प्रमुख सचिव एल वेंकटेश्वर लू की ओर से जारी संशोधित अधिसूचना के अनुसार उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं गतिशीलता नीति 2022 के अनुसार 14 अक्टूबर 2022 से 13 अक्टूबर 2025 तक उत्तर प्रदेश में बिक्री एवं रजिस्ट्रीयुक्त इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पर कर से शत-प्रतिशत छूट दी जाएगी। वहीं, 14 अक्टूबर 2022 को अधिसूचित इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति की प्रभावी अवधि के चौथे और पांचवें वर्ष यानी 14 अक्टूबर 2025 से 13 अक्टूबर 2027 तक प्रदेश में बनने वाले, बेचे जाने वाले एवं रजिस्ट्रेशन हाने वाले ईवी पर भी शत- प्रतिशत छूट मिलेगी।

इलेक्ट्रिक व्हीकल से आशय के संबंध में स्पष्टीकरण भी दिया गया है। इसके अनुसार वो ईवी का तात्पर्य इलेक्ट्रिक मोटर का उपयोग करने वाले समस्त ऑटोमोबाइल से है जो बैट्री, अल्ट्रा कैपेसिटर अथवा ईंधन सेल द्वारा चालित होते हैं। इनमें समस्त 2 व्हीलर, 3 व्हीलर एवं 4 व्हीलर स्ट्रांग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक यान (एचईवी), प्लग इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक यान (पीएचईवी), बैटरी इलेक्ट्रिक यान (बीईवी) तथा फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक यान (एफसीईवी) सम्मिलित हैं। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन नीति के अनुसार प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर ग्राहकों को भारी सब्सिडी भी मिलेगी। नीति के अनुसार प्रदेश में खरीदे गए इलेक्ट्रिक वाहनों के फैक्ट्री मूल्य पर 15 प्रतिशत की सब्सिडी भी दी जाएगी। इसमें पहले दो लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर 5,000 रुपये प्रति वाहन, पहले 50,000 इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहनों पर अधिकतम 12,000 रुपए और पहले 25,000 इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहनों के लिए प्रति वाहन पर एक लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी। वहीं प्रदेश में खरीदी गई पहली 400 बसों पर प्रति ई-बस 20 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी। साथ ही अधिकतम 1000 ई गुड्स कैरियर्स को प्रति वाहन 1,00,000 तक ई-गुड्स कैरियर्स की खरीद के लिए फैक्ट्री मूल्य पर 10 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाएगी। सरकारी कर्मचारियों को भी इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए सरकार प्रोत्साहित करेगी। इसके लिए राज्य सरकार कर्मचारियों को एडवांस लेने की भी अनुमति देगी।

# आपका आइडिया अच्छा हो तो बिजनेस लोन लेना हो जाता है आसान

### - बिजनेस लोन लेने का प्रोसेस होम लोन लेने के प्रोसेस से भी है आसान

**नई दिल्ली ।(एजेंसी)**

कई लोग अपना खुद का बिजनेस सिर्फ इसलिए शुरू नहीं कर पाते हैं क्योंकि इसके लिए उनके पास जरूरी पूंजी नहीं होती है। ऐसे में आपको बिजनेस लोन के बारे में जानने की जरूरत है। बिजनेस लोन लेने का प्रोसेस होम लोन लेने के प्रोसेस से भी आसान है। बिजनेस लोन के लिए एप्लीकेशन में लगने वाले डाक्यूमेंट्स बाकी लोन की तुलना में काफी कम होते हैं। कुछ बातों को ध्यान में रखकर आप आसानी से अपना खुद का बिजनेस शुरू करने के लिए लोन ले सकते हैं। बिजनेस लोन के लिए अप्लाई करने से पहले आपको जो बिजनेस करना है उसका क्लियर प्लान बना लेना चाहिए। आप जहां भी लोन के लिए अप्लाई करते हैं वहां आपसे इससे जुड़े हुए सवाल किए जाते हैं। कई बार आवेदक उन सवालों का जवाब नहीं दे पाते हैं। इस वजह से लेंडर उन्हें लोन देने के लिए मना भी कर सकता है। इसलिए आपको पहले से ही बिजनेस की पूरी प्लानिंग करके रखनी चाहिए ताकि जरूरत पड़ने पर आप लेंडर को अपने आईडिया के बारे में अच्छे से समझा सकें। अपने बिजनेस आईडिया को आप पहले दिमाग में क्लियर कर लें और साथ ही इसे ऑन पेपर लिखकर पूरी तरह से तैयार रखें। जब भी आप कोई नया बिजनेस शुरू करने के लिए प्लानिंग करते हैं तो उसके साथ आपको यह देखना भी जरूरी है कि आपका रेवेन्यू मॉडल क्या होगा। कई लोगों के पास बिजनेस के लिए आइडियाज तो बहुत होते हैं लेकिन बिना नुकसान उठाए कैसे उनसे रेवेन्यू बनाना है, यह सबको नहीं आता। इसलिए बिजनेस प्लान करने के साथ ही आप यह भी ध्यान में रखें कि इससे आपका रेवेन्यू कैसे जनरेट होगा और यह बिजनेस कितना फायदेमंद साबित होगा। बता दें कि आपके लोन को अप्रूव करने से पहले लेंडर आपसे रेवेन्यू मॉडल से जुड़े सवाल कर सकता है।

## केनरा बैंक के क्रेडिट कार्ड से कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट

**नई दिल्ली । (एजेंसी)**

अब एनपीसीआई द्वारा संचालित भीम, पेटीएम, पेजैप, मोबिक्विक, फ्रीचार्ज आदि यूपीआई ऐप्स पर केनरा बैंक का रूपे क्रेडिट कार्ड लाइव हो गया है। यानी कि आप अपने केनरा बैंक के रूपे क्रेडिट कार्ड को इन ऐप्स के यूपीआई से लिंक कर सकते हैं और पड़ोस के किराना स्टोर पर मर्चेंट यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन कर पेमेंट कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में रूपे क्रेडिट कार्ड ऑन यूपीआई सुविधा की शुरुआत हुई है। हालांकि रूपे क्रेडिट कार्ड के जरिए आप केवल मर्चेंट यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन कर ही पेमेंट कर सकते हैं। पी2पी पेमेंट नहीं कर सकते हैं। फिलहाल एचडीएफसी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक और केनरा बैंक के रूपे क्रेडिट कार्ड होल्डर्स अपने कार्ड को भीम, पेटीएम, पेजैप, मोबिक्विक, फ्रीचार्ज आदि यूपीआई ऐप्स से लिंक कर सकते हैं। भीम, पेटीएम, मोबिक्विक, पेजैप, फ्रीचार्ज जैसे कुछ यूपीआई ऐप्स पर 5 बैंकों के रूपे क्रेडिट लाइव हो चुके हैं। भविष्य में आप दूसरे यूपीआई ऐप से भी अपने रूपे क्रेडिट कार्ड को लिंक कर पाएंगे। फिलहाल केनरा बैंक, एचडीएफसी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक के रूपे क्रेडिट कार्ड होल्डर्स अपने कार्ड को यूपीआई ऐप से लिंक कर सकते हैं।

# (शेयर बाजार समीक्षा) शेयर बाजार की दिशा वैश्विक रुझान और विदेशी कोषों के रुख तय करेंगे

### - बाजार के निवेशकों की रुपए के उतार-चढ़ाव और ब्रेंट कच्चे तेल पर भी नजर रहेगी

**मुंबई ।(एजेंसी)**

इस सप्ताह वैश्विक रुझान तथा विदेशी कोषों के रुख से शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। होली का अवकाश होने से सप्ताह की वजह से कारोबारी दिवस कम हो गए हैं। बीएसई तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने होली के अवसर पर सात मार्च मंगलवार को अवकाश घोषित किया है। हालांकि स्टॉक ब्रोकरों के संगठन एएनएमआई ने सरकार, शेयर बाजारों तथा सेबी से होली का अवकाश सात मार्च के बजाए आठ मार्च को देने का अनुरोध किया है। बाजार के विश्लेषकों ने` कि मुद्रास्फीति को काबू में करने के लिए अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में लगातार बढ़ोतरी करने की आशंका के बीच भारतीय बाजारों में अस्थिरता बनी रहेगी। विदेशी संस्थागत निवेशक जो छोटे स्तर पर शुद्ध लिवाल बने हुए हैं उन पर भी नजर रहेगी। उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर अमेरिका के व्यापक आर्थिक आंकड़े दस मार्च को जारी होने हैं, बैंक ऑफ जापान भी ब्याज दरों पर निर्णय लेने वाला है। वहीं घरेलू स्तर पर भारत के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों को भी दस मार्च को जारी किया जाएगा। बाजार के निवेशकों की अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए के उतार-चढ़ाव पर और ब्रेंट कच्चे तेल पर भी नजर होगी। बाजार के विश्लेषकों का अनुमान है कि मिलेजुले संकेतों के बीच अस्थिरता अधिक रहेगी। प्रतिभागियों को औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों का इंतजार है जो दस मार्च को जारी होंगे। इसके अलावा वैश्विक सूचकांकों विशेषकर अमेरिकी बाजारों के प्रदर्शन पर भी उनकी नजर होगी। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 345.04 अंक चढ़ा था। भारी अस्थिरता के बावजूद शुक्रवार को बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स शुक्रवार 899.62 अंक या 1.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,808.97 पर बंद हुआ।

## अडानी पॉवर से 2021-22 में 8,160 करोड़ की बिजली खरीदीः गुजरात सरकार

**मुंबई ।(एजेंसी)**

गुजरात सरकार ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान अडाणी समूह की बिजली कंपनी अडाणी पावर से संशोधित दरों पर 8,160 करोड़ रुपए मूल्य की बिजली खरीदी गई।

गुजरात की भूपेंद्र पटेल सरकार ने राज्य विधानसभा में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। इसके मुताबिक पिछले वित्त वर्ष में राज्य सरकार ने अडाणी पावर से बिजली खरीद 2.83 रुपए प्रति यूनिट की पूर्व-निर्धारित दर के बजाय 8.83 रुपए प्रति यूनिट की संशोधित दर पर की। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक हेमंत अहीर के एक सवाल का जवाब देते हुए राज्य के ऊर्जा मंत्री कनु देसाई ने विधानसभा में कहा कि सरकार ने कंपनी से वर्ष 2021-22 में 1,159.6 करोड़ यूनिट बिजली 8,160 करोड़ रुपए में खरीदी। बिजली खरीद की दर को मासिक आधार पर संशोधित कर 8.83 रुपए प्रति यूनिट किया गया जो पहले 2.83 रुपए प्रति यूनिट थी। देसाई ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2007 में अडाणी पावर के साथ बिजली खरीद का 25 साल का समझौता किया था। यह खरीद समझौता 2.89 रुपए और 2.35 रुपए प्रति यूनिट की स्तरीकृत दर पर हुआ था। आयातित कोयले की कीमत बढ़ने के कारण राज्य सरकार ने कंपनी के साथ ऊर्जा खरीद समझौते के अंतर्गत बिजली दरों में बढ़ोतरी की। अडाणी पावर की परियोजना कोयला-आधारित होने से इंडोनेशिया से आयात हो रहे कोयले की कीमतें अचानक बढ़ने से पूरी क्षमता से बिजली उत्पादन नहीं कर पा रही थी। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति गठित की। सरकार ने एक दिसंबर, 2018 को संकल्प में समिति की सिफारिशों को स्वीकार करने के बाद बिजली खरीद दरों में वृद्धि को कुछ संशोधन करते हुए मंजूरी दे दी। इसके अनुसार, अडाणी पावर के साथ एक अनुपूरक समझौता पांच दिसंबर, 2018 को किया गया, जिसे केंद्रीय बिजली नियामक आयोग ने 12 अप्रैल, 2019 को एक आदेश जारी करते हुए मंजूरी दे दी।

## बेमौसम गर्मी से फलों और सब्जियों के उत्पादन में आएगी कमी

### - लीची, नींबू, तरबूज, केले और काजू की फसल की भी प्रभावित होने की आशंका

**नई दिल्ली ।(एजेंसी)**

देश में आने वाले दिनों में फल और सब्जियों की कीमत में भारी इजाफा देखने को मिल सकता है। इसकी वजह यह है कि समय से पहले गर्मी बढ़ने से फलों और सब्जियों के उत्पादन में 30 फीसदी तक की कमी आ सकती है। फलों के राजा आम पर तो अभी से इसका असर दिखने लगा है। किसानों का कहना है कि इस बार आम की बौर और फलों में काफी कमी आई है। इसी तरह समय से पहले गर्मी बढ़ने से लीची, नींबू, तरबूज, केले और काजू की फसल के भी प्रभावित होने की आशंका है। जानकारों का कहना है कि बेमौसम गर्मी के कारण न केवल बंदगोभी, फूलगोभी, हरी सब्जियों और टमाटर का आकार छोटा होगा बल्कि उनमें पोषक तत्वों की भी कमी रहेगी। बेंगलुरु स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चरल रिसर्च (आईआईएचआर) के डायरेक्टर एसके सिंह ने कहा कि तापमान में अचानक बढ़ोतरी के कारण देश के अलग-अलग इलाकों में फलों और सब्जियों के उत्पादन में 10 से 30 फीसदी तक गिरावट आ सकती है। समय से पहले गर्मी के कारण आम, लीची, कीनू, संतरे, केले और अवाकाडो की फसल प्रभावित हुई है। किसानों का कहना है कि महाराष्ट्र में अल्फांसो आम का उत्पादन 40 फीसदी तक कम हो सकता है। फसल वैज्ञानिकों ने कहा कि तापमान बढ़ने के साथ-साथ ज्यादा उमस के कारण पेस्ट और फंगस का खतरा बढ़ गया है। अमूमन होली के आसपास तापमान बढ़ना शुरू होता है। लेकिन इस बार सर्दियां खत्म होते ही तापमान में बढ़ोतरी शुरू हो गई। इस बार होली आठ मार्च को है। पिछला महीने देश में औसत तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि एक रेकॉर्ड है। मौसम विभाग ने मार्च से मई के बीच देश के मध्य और उत्तर पश्चिम इलाकों में लू चलने की आशंका जताई है। गर्मी बढ़ने के कारण सब्जी समय से पहले तैयार हो रही है। इससे कुछ समय के लिए सब्जियों की सप्लाई जरूरत से ज्यादा हो सकती है लेकिन बाद में इसमें शॉर्टेज आ सकती है।

जानकारों का कहना है कि इससे सब्जियों की कीमत बढ़ सकती है। कुछ इलाकों में टमाटर की फसल समय से पहले पक सकती है। इससे किसान समय से पहले की अपनी फसल बाजार में ला सकते हैं।

# खाते में जल्द जमा हो सकता है पीएफ के ब्याज का पैसा

**नई दिल्ली ।(एजेंसी)**

प्रोविडेंट फंड (पीएफ) खाता धारक इसमें जमा राशि पर मिलने वाले ब्याज के इंतजार में हैं। मौजूदा वित्त वर्ष के खत्म होने में अब अधिक समय नहीं बचा है, लेकिन पीएफ का ब्याज लोगों के खाते में अभी तक ट्रांसफर नहीं हुआ है। ईपीएफओ ने ब्याज की राशि ट्रांसफर को करने के संबंध में जबाव दिया है। बता दें कि सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष के लिए पीएफ पर मिलने वाले ब्याज को 8.1 फीसदी तय किया है।ट्विटर पर जवाब देते हुए ईपीएफओ ने कहा कि ब्याज की राशि ट्रांसफर करने की प्रक्रिया चलती रहती है। ये आपके खाते में जल्दी नजर आएगी। ब्याज की रकम का पेमेंट पूरा किया जाएगा। खाताधारक को किसी भी तरह का नुकसान नहीं होगा। माना जा रहा है कि 6.5 करोड़ लोगों का इंतजार जल्द खत्म हो सकता है। इपीएफओ खाताधारकों का इंतजार लगातार लंबा हो रहा है। पीएफ ब्याज का पैसा बीते कुछ सालों से खाताधारकों को समय पर नहीं मिल पा रहा है। पीएफ के नियमों में बदलाव की बात करें तो सरकार ने 1 फरवरी 2023 को देश का आम बजट पेश करते हुए ईपीएफ के पैसों की निकासी को लेकर राहत देने का ऐलान किया था। नए नियम के तहत अब पीएफ में जमा पैसों की निकासी पर टीडीएस कटौती 30 फीसदी से घटाकर 20 फीसदी कर दी गई है। सरकार के इस फैसले से ऐसे पीएफ खाताधारकों को फायदा होगा जिनका पैन कार्ड उनके पीएफ एआउंट में अपडेट नहीं है। अभी तक अगर किसी का पैन कार्ड इपीएफओ के रिकॉर्ड में अपडेटेड नहीं है, तो उसे पैसे निकालने पर 30 फीसदी की दर से टीडीएस का भुगतान करना पड़ता था।

## पहले महिला खिलाड़ी के नाम पर सिर्फ ऊषा को जानते थे लोग : सानिया

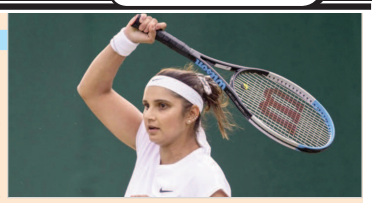

**नई दिल्ली ।** महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा महिला आईपीएल के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की मेंटॉर बनी हैं। सानिया क्रिकेट के बारे में ज्यादा नहीं जानती हैं पर उन्हें खेल के प्रति अपने समर्पण और जुनून के कारण मेंटॉर बनाया गया है। सानिया ने महिला प्रीमियर लीग से पहले आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना का साक्षात्कार लिया। इस दौरान दोनों के बीच लंबी बातचीत हुई। तब सानिया ने ये भी बताया है कि आज से तीन दशक पहले महिला खिलाड़ी के रूप में लोग सिर्फ पीटी ऊषा का नाम जानते थे पर अब भारत की महिला क्रिकेटरों को भी जाना जाता है और अन्य खेलों की महिला खिलाड़ियों को भी जाना जाता है। इस साक्षात्कार के अंत में जब मंधाना ने सानिया से पूछा कि आप अपना अंतिम टेनिस मैच खेलने के बाद कब आरसीबी के साथ जुड़ेंगी तो उन्होंने कहा, मैं कुछ ही दिनों में आ रही हूं। मैंने अब अपना खेल शिफ्ट कर लिया है। ये बात हालांकि सानिया ने हंसी-मजाक में कही थी।

# संतोष ट्रॉफी : कर्नाटक 54 साल बाद बना चैंपियन, मेघालय को 3-2 से हराया

**रियाद। (एजेंसी)**

कर्नाटक ने संतोष ट्रॉफी के गलाकाट फाइनल में दमदार प्रदर्शन करते हुए मेघालय को 3-2 से हराकर 54 साल बाद राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीत ली है। किंग फहद स्टेडियम पर शनिवार को खेले गये फाइनल में सुनील कुमार (दूसरा मिनट), बेकली ओरम (19वां मिनट) और रॉबिन यादव (42वां मिनट) ने विजेता टीम के गोल किये। उपविजेता मेघालय के गोल ब्रोलिंगटन वारलार्पीह (आठवां मिनट) और शीन स्टीवेन्सन स्फकटंग (60वां मिनट) ने दागे। कर्नाटक ने पिछली बार राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप 1968-69 में मैसूर के रूप में जीती थी। कर्नाटक ने पांच दशक का सूखा समाप्त करने के लिये मैच की दमदार शुरुआत की। सुनील ने रॉबिन के लंबे थ्रो की बदौलत दूसरे मिनट में गोल करके कर्नाटक को बढ़त दिलाई। कर्नाटक की खुशी हालांकि ज्यादा देर तक नहीं रही और मेघालय ने आठवें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। ब्रोलिंगटन ने स्पॉट किक को सफलतापूर्वक गोल में तब्दील करके स्कोर बराबर कर दिया। मेघालय को कुछ देर बाद बढ़त लेने का मौका भी मिला लेकिन फिगो सिंडाई का निशाना नेट में नहीं पहुंचा। कर्नाटक ने मेघालय की इस चूक का फायदा उठाकर गेंद को अपने कब्जे में ले लिया और 19वें मिनट में बेकली ने सुनील के पास की मदद से गेंद को नेट में पहुंचा दिया। पहला हाफ समाप्त होने से पहले रॉबिन ने गोल करके कर्नाटक की बढ़त 3-1 कर दी। तमाम बाधाओं को पार करते हुए फाइनल में पहुंची मेघालय ने दूसरे हाफ में बेहतर फुटबॉल खेली, लेकिन वह कर्नाटक की बढ़त को समाप्त नहीं कर सकी। सेमीफाइनल में मेघालय का मैच-जिताऊ गोल करने वाले शीन ने यहां भी 60वें मिनट में स्कोर किया, हालांकि यह उनकी टीम का

आखिरी गोल था। कर्नाटक ने इसके बाद अपने चुस्त रक्षण से मेघालय को स्कोर बराबर करने का कोई मौका नहीं दिया और राष्ट्रीय चैंपियन का ताज अपने सिर सजाया। इससे पूर्व, सर्विसेज ने कांस्य पदक मैच में पंजाब को 2-0 से हराकर संतोष ट्रॉफी में तीसरा स्थान हासिल किया। शफील पी पी (सातवां मिनट) और क्रिस्टोफर कमेई (60वां मिनट) ने विजेता टीम के लिये गोल किये।

## एमबाप्पे ने कवानी का रिकार्ड तोड़ा, पीएसजी की ओर से सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने

**पेरिस ।(एजेंसी)**

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) क्लब से खेल रहे फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पीएसजी की नैनटेस क्लब पर 4-2 की जीत के साथ ही एम्बाप्पे क्लब की ओर से सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। एम्बाप्पे ने मैच के इंजरी समय में मुकाबले का अंतिम गोल दागा। यह पीएसजी की ओर से उननका 201वां गोल था। इसी के साथ ही उन्होंने एडिसन कवानी के 200 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस जीत के साथ ही पीएसजी की टीम फ्रांस की शीर्ष घरेलू लीग लीग वन की में शीर्ष पर पहुंच गई है। एम्बाप्पे ने पीएसजी की ओर से 247वां मैच खेलने के बाद कहा, ''जब मैं यहां आया था तब काफी कम उम्र का खिलाड़ी था। मैंने यहां बहुत कुछ सीखा है। मैं इतिहास रचने के लिए खेलता हूं। मैंने हमेशा यह कहा है। मैं इस टीम और फ्रांस के लिए यह करना चाहता हूं। यह एक व्यक्तिगत उपलब्धि है पर मैं यहां सामूहिक उपलब्धियों के लिए भी आया हूं। इससे पहले अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी ने मैच के 12वें मिनट में ही पीएसजी की ओर से पहला गोल किया। वहीं जौन हदजाम के आत्मघाती गोल से टीम की बढ़त दोगुनी हो गयी। लुडोविक ब्लास और इग्नाटियस गनागो ने सात मिनट के अंदर ही दो गोलकर मैच में नैनटेस को वापस मैच में ला दिया पर दूसरे हाफ में डानिलो पेरेरा के 60वां मिनट में किये गोल से पीएससी ने मैच में एक बार फिर से बढ़त दिया दी। इंजरी समय में गोल दागकर एम्बाप्पे ने टीम की जीत तय कर दी।

## 'मैं इतिहास बनाने के लिए खेलता हूं', एमबाप्पे पीएसजी के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने

**पेरिस:** फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे शनिवार को नैनटेस पर 4-2 की जीत के दौरान पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। एम्बाप्पे ने मैच के इंजरी समय (90+2 मिनट) में मुकाबले का आखिरी गोल किया जो पीएसजी के लिए उनका 201वां गोल था। उन्होंने इसके साथ ही एडिसन कवानी के 200 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस जीत से पीएसजी की टीम 'लीग वन (फ्रांस की शीर्ष घरेलू लीग)' की तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। एम्बाप्पे ने पीएसजी के लिए 247वां मैच खेलने के बाद कहा, ''जब मैं यहां आया था तब काफी कम उम्र का खिलाड़ी था। मैंने यहां बहुत कुछ सीखा है। मैं इतिहास बनाने के लिए खेलता हूं। मैंने हमेशा यह कहा है । मैं इस टीम और फ्रांस के लिए यह करना चाहता हूं। यह एक व्यक्तिगत उपलब्धि है लेकिन मैं यहां सामूहिक उपलब्धियों के लिए भी आया हूं।' लियोनेल मेसी ने मैच के 12वें मिनट में ही पीएसजी को बढ़त दिला दी थी। जौन हदजाम के आत्मघाती गोल से टीम की बढ़त दोगुनी हो गयी। लुडोविक ब्लास और इग्नाटियस गनागो ने सात मिनट के अंदर दो गोलकर मैच में नैनटेस की वापसी कर दी। दूसरे हाफ में डानिलो पेरेरा (60वां मिनट) के गोल से पीएससी ने मैच में एक बार फिर बढ़त बनायी और इंजरी समय में एम्बाप्पे ने गोलकर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। अन्य मैच में लिली ने लेंस को 1-1 की बराबरी पर रोका।

# शेष भारत ने मध्य प्रदेश को 238 रनों से हराकर ईरानी कप जीता

**ग्वालियर ।(एजेंसी)**

शेष भारत की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ईरानी कप घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट में मध्य प्रदेश को 238 रनों से हरा दिया। इस मैच में जीत के लिए मिले 437 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए मध्य प्रदेश की टीम अपनी दूसरी पारी में 198 रनों पर ही आउट हो गयी। इस मैच में मध्य प्रदेश की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवे ओर अंतिम दिन अपनी दूसरी पारी शुरुआत दो विकेट पर 81 रन से की थी। उसे पहली बार ईरानी कप जीतने के लिए 356 रन की जरूरत थी पर नाबाद बल्लेबाज रहे हिमांशु मंत्री एक भी

रन और बनाये बिना 51 रनों पर ही आउट हो गये। जिसके बाद टीम के विकेट लगातार गिरने लगे। हिमांश के साथ खेल रहे हर्ष गवली भी 48 रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद अमन सोलंकी 31 और अंकित कुशवाहा ही 23 रन बना पाये। अन्य खिलाड़ी दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये जिससे टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा। वहीं शेष भारत की ओर से सौरभ कुमार ने तीन नारंग ने दो-दो खिलाड़ियों को आउट किया। इससे शेष भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए दूसरी पारी में भी शतक लगाया। पहली पारी में 213 रन बनाने वाले जायसवाल ने दूसरी पारी में 144 रन बनाये, जिससे शेष भारत की टीम अपनी दूसरी पारी में 246 रन बनाने में सफल रही। वहीं शेष भारत ने पहली पारी में 484 रन बनाए थे जबकि मध्य प्रदेश की टीम ने अपनी पहली पारी में 294 रन ही बनाये थे।

## संक्षिप्त समाचार

### अर्धशतकीय पारी खेलकर खुशी हुई : शैफाली

**मुम्बई ।** दिल्ली की सलामी बल्लेबाज ओपनर शैफाली वर्मा ने कहा है कि महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने खिलाफ अपनी पारी की शुरुआत में वह थोड़ी घबरायी हुई थीं। शैफाली ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 84 रन बनाये। शैफाली ने कहा कि मेग लेनिंग के साथ उनकी साझेदारी अच्छी रही। लेनिंग ने इस मैच में 72 रन बनाये। शैफाली ने आक्रामक अर्धशतकीय पारी के बाद कहा, मुझे बहुत खुशी हुई, यह बल्लेबाजी के लिए एक बेहतरीन विकेट था। मैं शुरुआत में घबरायी हुई थी। लैनिंग के साथ खेलने का अनुभव अच्छा रहा, वह मेरी अच्छी दोस्त हैं और उन्होंने मुझे बल्ले से अपनी जिम्मेदारी निभाने को कहा। हम सिर्फ अच्छे शॉट खेलना चाहते थे और अपनी ताकत के अनुसार खेलना चाहते थे। जब आप एक लक्ष्य प्राप्त करते हैं तो आप खुशी का अनुभव करते हैं। शैफाली ने 45 गेंदों पर 10 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 84 रन जबकि मेग लैनिंग ने 43 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 72 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इसी के साथ ही दोनों ओपनरों के बीच पहले विकेट के लिए 163 रन की साझेदारी हुई।

### ऋषभ के नहीं होने से आया अंतर : इयान चैपल

**सिडनी ।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर इयान चैपल ने कहा है कि इंदौर टेस्ट में भारत की हार का कारण उसके पास आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत का नहीं होना रहा। ऋषभ कार हादसे के बाद से ही खेल से दूर और और उनकी वापसी में अभी समय लगेगा। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा भारत की करारी हार का आंकलन करते हुए कहा कि ऋषभ पंत की अनुपस्थिति से भारतीय टीम की बल्लेबाजी में अंतर आया है। ऋषभ की जगह खेल रहे केएस भरत विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनो में ही प्रभावित नहीं कर पाये हैं। चैपल ने कहा कि एक बड़ा अंतर मेजबानों के लिए ऋषभ की अनुपस्थिति रहा है और हर कोई धीरे-धीरे यह समझ रहा है कि वह भारतीय टीम के लिए कितना अहम है। चैपल ने कहा, एक बड़ा अंतर यह है कि इस भारतीय पक्ष में कोई ऋषभ नहीं है। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने भी कहा था कि अगर पंत लाइनअप का हिस्सा होते तो स्पिनर मैट कुह्नमैन और नाथन लियोन को नहीं छोड़ते। कनेरिया ने कहा, अगर आप ऋषभ से पूछेंगे कि इन स्पिनरों के खिलाफ कैसे बल्लेबाजी करनी है, तो वह आपको अपने पैरों का उपयोग करने, गेंद की पिच पर पहुंचने और गेंद को दूर तक मारने के लिए कहेंगे। अगर वह वहां होता, तो वह ल्योन और कुह्नमैन को नहीं छोड़ता। उसने उन पर हमला करके उन्हें अपनी लैंथ बदलने के लिए मजबूर कर दिया होता।

# इंदौर पिच की सुनवाई वाली आईसीसी समिति में शामिल नहीं रहेंगे गांगुली

**मुम्बई ।(एजेंसी)**

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इंदौर के होल्कर स्टेडियम की पिच को खराब रेटिंग दिये जाने के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के फैसले के खिलाफ अपील करेगा। आईसीसी की जो समिति इस मामले की सुनवाई के लिए बनी है उसके प्रमुख सौरव गांगुली हैं हालांकि सौरव इस मामले में बीसीसीआई की सहायता नहीं कर सकते क्योंकि यहां हितों के टकराव का सवाल उठ खड़ा होगा। ऐसे में गांगुली उस कमेटी का हिस्सा नहीं रहेंगे, जिसे इंदौर की पिच रेटिंग को लेकर सुनवाई करनी है। इस कमेटी में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व सीईओ वसीम खान भी शामिल हैं।

गांगुली को पुरुष क्रिकेट कमेटी के चेयरमैन के तौर पर इस पैनल की जिम्मेदारी किसी अन्य को सौपनी होगी। वसीम खान और इस कमेटी का कोई और सदस्य इंदौर पिच रेटिंग पर सुनवाई करेगा। गांगुली टीम इंडिया के पूर्व कप्तान हैं और कुछ ही समय पहले तक वे बीसीसीआई के भी चेयरमैन रहे थे। ऐसे में हितों के टकराव का सवाल उठना प्रबल है।

एक रिपोर्ट के अनुसार गांगुली और वसीम के पैनल ने जनवरी में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट के लिए रावलपिंडी की पिच पर लगाए गए नकारात्मक अंक रद्द करने का फैसला किया था। वसीम आईसीसी में शामिल होने से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी थे पर वह एक ब्रिटिश नागरिक हैं। ऐसे में उन्हें रावलपिंडी विकेट पर फैसला सुनाने वाले पैनल में बनाये रखा गया था पर गांगुली के मामले में ऐसा नहीं होगा, क्योंकि वे भारतीय नागरिक हैं, टीम के पूर्व कप्तान हैं। आईपीएल की एक टीम के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट ऑपरेशन्स हैं और बीसीसीआई के अध्यक्ष रहे हैं। ऐसे में गांगुली की जगह किसी अन्य सदस्य को इंदौर

पिच रेटिंग पर सुनवाई के लिए रखा जाएगा। आईसीसी ने इंदौर पिच को न केवल खराब बताया बल्कि 3 नकारात्मक अंक भी दिये। वहीं अगर किसी स्टेडियम की पिच को 5 अंक एक साल में मिल जाते हैं तो उसे एक साल के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी से हटा दिया जाता है।

## डब्ल्यूपीएल में हरमनप्रीत ने वाइड के लिए लिया डीआरएस

**मुंबई ।(एजेंसी)**

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) तकनीक का अलग तरीके से उपयोग किया गया है। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने गुजरात जायंट्स के साथ मैच में वाइड के खिलाफ डीआरएस लिया। हरमनप्रीत कौर ने गुजरात की पारी के 13वें ओवर की आखिरी गेंद पर वाइड कॉल को चुनौती दी। हुआ यूं कि साइका इशाक की गेंद बल्लेबाजी कर रहीं मोनिका पटेल के ग्लब्स पर लगी पर मैदानी अंपायर ने इसे वाइड करार दिया। तब हरमनप्रीत ने इसके खिलाफ डीआरएस लिया। इससे दर्शक भी हैरान रह गये। वहीं तीसरे अंपायर ने रिप्ले देखने के बाद मैदानी अंपायर के फैसले को बदल दिया । महिला आईपीएल में टीमों के पास नो-बॉल और वाइड के खिलाफ भी डीआरएस लेने की सुविधा भी उपलब्ध है। हर टीम के पास दो डीआरएस होंगे। कोई भी टीम दो गलत डीआरएस ले सकती है पर अगर फैसला उनके पक्ष में जाता है तो वो कितने भी डीआरएस लिए जा सकते हैं। जैसे ही दो फैसले उनके खिलाफ होंगे वह डीआरएस नहीं ले पाएंगे। जिनका उपयोग आउट या नॉट आउट कॉल के साथ-साथ वाइड और नो-बॉल के लिए किया जा सकता है। क्रिकेट में आउट या नॉन आउट के फैसले को चुनौती देने के लिए डीआरएस आम है पर इस प्रकार वाइड के लिए पहली पार लिया गया है।

## हमारा काम केवल खेलना : मैकडोनाल्ड

**इंदौर ।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के इंदौर पिच को खराब करार दिये जाने पर जहां भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईसीसी के फैसले पर सवाल उठाये हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा कि हमारा काम खेलना है। चाहे पिच जैसी भी हो। वहीं पिच कैसी है ओर उसे क्या रेटिंग देनी है यह देखना आईसीसी का काम है। कोच के अनुसार पिच को लेकर जो भी समस्या है उसे हम करने की जिम्मेदार आईसीसी के पास है। मैकडोनाल्ड ने कहा, मेरा मतलब है, हमारा काम पिच पर खेलना है। इसलिए वे जो कुछ भी करते हैं, हमारा काम समस्या को हल करना है जो हमारे सामने है। इसलिए यह दूसरों के लिए काम करना है। मेरा मतलब है कि आईसीसी हर पिच को एक रेटिंग देती है और इसी के तहत ही उन्होंने इसे एक खराब रेटिंग दी है। इसलिए आप जानते हैं कि जब वे इसे अच्छी रेटिंग देते हैं तो हम बात नहीं करते हैं जबकि यह उन पर निर्भर है कि वे पिच किस प्रकार की चाहते हैं। जहां तक मेरा मानना है कि तीनो ही टेस्ट मैचों में पिच के कारण खेलना बेहद कठिन था। भारतीय टीम पहले दो मैचों में जीत और तीसरे मैच में हार के साथ ही सीरीज में 2-1 से आगे है।

# अंतिम टेस्ट में स्मिथ की कप्तानी में ही ऑस्ट्रेलिया के उतरने की संभावनाएं

**अहमदाबाद ।(एजेंसी)**

भारत के साथ यहां बॉर्डर-गावस्कर क्रिकेट सीरीज के चौथे और अंतिम टेस्ट में एक बार फिर अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की कप्तानी करने की उम्मीदें हैं। इसका कारण यह है कि स्मिथ ने तीसरे टेस्ट में टीम को कप्तानी करते हुए जीत दिलाई थी। ऐसे में एक बार फिर उन्हें कमान मिलना तय है क्योंकि नियमित कप्तान पीट कमिंस अभी तक ऑस्ट्रेलिया में ही हैं। कमिंस पारिवारिक वजहों से दूसरे टेस्ट के बाद ही स्वदेश लौट गये थे। उनकी कप्तानी में टीम को दोनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं स्मिथ को कमान मिलते ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बाजी पलट दी। उसने इंदौर टेस्ट को 9 विकेट से जीतकर सीरीज में वापसी की है। ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा कि कमिंस अभी भी टीम के साथ जुड़े हुए हैं और वे उनसे लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने यह भी बताया किया कि अंतिम टेस्ट कुछ ही दिन दूर है और कमिंस यहां नहीं हैं, वे उनके साथ सभी मामलों पर बात करेंगे।अहमदाबाद टेस्ट शुरु होने में अभी चार दिन से भी कम का समय बचा हुआ है और कमिंस का वापस न आना बताता है कि स्मिथ के पास ही कमान रहेगी। गौरतलब है कि साल 2018 से पहले स्मिथ ही टीम के नियमित कप्तान थे। दक्षिण अफ्रीका में गेंद से छेड़खानी मामले को लेकर उन्हें हटा दिया गया था। वहीं साल 2021 में जब कमिंस को कप्तानी मिली तो

स्मिथ को एक बार फिर उपकप्तान बनाया गया। इंदौर टेस्ट में स्मिथ की कप्तानी की पूर्व क्रिकेटरों ने भी तारीफ की थी।

## आईपीएल की तैयारियों में लगे धोनी

**चेन्नई ।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 की तैयारियों में लग गये हैं। धोनी कुछ दिन पहले ही चेन्नई पहुंचे हैं। वहां पहुंचने के साथ ही धोनी ने अभ्यास शुरु कर दिया है। सीएसके ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर धोनी का एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें वह नेट्स में थ्रो डाउन का अभ्यास करते हुए दिख रहे हैं। जिस समय धोनी नेट्स में बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे थे। उस दौरान स्टेडियम में मौजूद दर्शक उनका हौंसला बढ़ाते नजर आये। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी का यह शायद अंतिम आईपीएल भी होगा। आईपीएल 2023 अपने पुराने प्रारुप होम अवे में खेला जाएगा। ऐसे में धोनी को लेकर कहा जा रहा है कि वह सीएसके के घरेलू मैदान पर अपना विदाई मैच खेलेंगे। आईपीएल में सीएसके की टीम मुंबई इंडियंस के बाद सबसे सफल टीम में से एक है। सीएसके आईपीएल में चार बार चैंपियन रही है। धोनी की कप्तानी में ही सीएसके की टीम सबसे पहली बार 2010 में खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद 2011 और 2018 में टीम धोनी की कप्तानी में चैंपियन बनी थी। वहीं आखिरी बार सीएसके ने साल 2021 में खिताबी जीत हासिल की थी। तब भी धोनी ही टीम के कप्तान थे। आईपीएल में सबसे अधिक खिताब जीतने के मामले में सीएसके की टीम दूसरे नंबर पर है। मुंबई इंडियंस ने कुल पांच बार यह खिताब जीता है।

# मुख्यमंत्री ने असलाली में आशाभाई पुरुषोत्तमदास अमीन आरोग्य धाम का किया लोकार्पण

**अहमदाबाद ।**

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने यह स्पष्ट किया कि सरकार राज्य में जनसाधारण और ग्रामीण लोगों को भी श्रेष्ठ स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए सदैव प्रयासरत है। वे रविवार को अहमदाबाद के असलाली में नवनिर्मित आशाभाई पुरुषोत्तमदास अमीन आरोग्य धाम के लोकार्पण अवसर पर बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने यह उम्मीद जताई कि राज्य सभा सांसद नरहरि अमीन के सांसद आदर्श ग्राम असलाली में शुरू होने जा रहा आरोग्य धाम आसपास के ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं का अहम केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी के स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा की फिक्र की है और इन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी है। केंद्र और राज्य सरकार इस दिशा में कार्य कर रहे हैं, लेकिन जब इस कार्य में सेवाभावी संगठनों, दानदाताओं और स्वैच्छिक संस्थानों का सहयोग मिलता है, तब उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त होते हैं। पटेल ने कहा कि किडनी रोग से पीड़ित मरीजों को आवश्यकता पड़ने पर समीप के स्थल पर डायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 'वन नेशन, वन डायलिसिस' कार्यक्रम के अंतर्गत हरेक तहसील में डायलिसिस केंद्र कार्यरत किए गए हैं। इतना ही नहीं, कैंसर के मरीजों के लिए विभिन्न जिलों में कीमोथेरेपी केंद्र भी शुरू किए गए हैं। भूपेंद्र पटेल ने समाज में कम उम्र के लोगों में भी कैंसर, हृदय रोग और डायबिटीज जैसी बीमारियों के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त की। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को रोककर प्राकृतिक खेती को और भी व्यापक बनाना होगा। उन्होंने इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आत्मनिर्भरता के साथ भावी पीढ़ी को तंदुरुस्त और रोग मुक्त रखने के लिए प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि गुजरात में राज्यपाल की प्रेरणा और मार्गदर्शन से लगभग तीन लाख किसानों ने प्राकृतिक कृषि को अपनाया है। मुख्यमंत्री ने देश के अमृत काल में 'निरोगी निरामय गुजरात से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत' के लिए प्राकृतिक कृषि अपनाने का प्रेरक आह्वान भी किया।

राज्य सभा सांसद और मणिबेन हीरालाल अमीन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष नरहरि अमीन ने कहा कि आज लोकार्पित हुए आरोग्य धाम में असलाली और आसपास के गांवों के लोगों के लिए फिजियोथेरेपी सेंटर, पैथोलॉजी लेबोरेटरी, कंसल्टिंग डॉक्टरों की सेवाएं और विभिन्न रोगों के डॉक्टरों द्वारा मरीजों के निदान, काउंसलिंग सेंटर और जेनेरिक दवाई की दुकान जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। असलाली गांव के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए नरहरि अमीन ने कहा कि बतौर सांसद उन्होंने सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत असलाली गांव को दत्तक लिया है। गांव में विभिन्न विकास कार्यों के लिए लगभग 26 लाख रुपए का अनुदान आवंटित किया है।

इस अवसर पर 18 दिव्यांग बच्चों को हियरिंग एड किट का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री और आमंत्रित महानुभावों ने इनमें से 2 बच्चों को प्रतीक के रूप में मंच से किट प्रदान की। इसके अलावा, नवनिर्मित आरोग्य धाम के सभी दानदाताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय संचार राज्य मंत्री और खेड़ा के सांसद देवुसिंह चौहान, दसक्रोई के विधायक बाबू पटेल सहित मणिबेन हीरालाल अमीन चैरिटेबल ट्रस्ट के न्यासीगण, सचिव और अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

# क्रिकेट खेलते खेलते एक और युवक की हुई मौत, हार्ट अटैक के बाद पहले हुआ बेहोश

**सूरत।** हार्ट अटैक की बढ़ती घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। आज कल ऐसी घटनाएं खासकर युवाओं में सामने आ रही है। सूरत में एक युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। युवक मैदान में क्रिकेट खेल रहा था और अचानक गिरकर बेहोश हो गया। बाद में उसकी मौत हो गई। घटना सूरत जिले की ओलपाड तहसील के नरथाणा गांव की है। जहां निमेष आहिर नामक युवक क्रिकेट मैच में फिल्डिंग कर रहा था। फिल्डिंग करते करते अचानक वह मैदान में बेहोश होकर गिर पड़ा और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। खेलते खेलते अचानक बेहोश होने का कारण हार्ट अटैक है। मृत युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सूरत के सिविल अस्पताल में भेजा गया है। मृतक के रिश्तेदारों के मुताबिक निमेष की तबियत ठीक थी और पूरी तरह स्वस्थ था। आज निमेष क्रिकेट खेलने गया था, जहां उसके सीने में अचानक दर्द हुआ। जिसके बाद निमेष घर आया और नींबू का शरबत पिया था। बाद में फिर निमेष को हार्ट अटैक हुआ और उसकी मौत हो गई। इससे पहले सूरत में प्रशांत भारोलिया नामक 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई थी। प्रशांत भारोलिया क्रिकेट खेलकर घर लौटा था और उसके बाद बेचैनी होने पर परिवार के लोग उसे प्राइवेट अस्पताल में ले गए। जहां इलाज के दौरान प्रशांत की मौत हो गई। प्रशांत भारोलिया कनाडा जाना चाहता था और उसके लिए डेढ़ महीने पहले ही विजा के लिए फाइल रखी थी।

# भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन कलोल स्टेशन पहुंचने पर यात्रियों का पारम्परिक तरीके से स्वागत किया गया

**अहमदाबाद ।** आज भारत गौरव डीलक्सन वातानुकूलित पर्यटक रेलगाड़ी ''गरवी गुजरात यात्रा रेलगाड़ी'' अपने चौथे पड़ाव पर अहमदाबाद मण्डल के कलोल स्टेशन पहुँची। इस ट्रेन को दिल्ली के सफदरगंज स्टेशन से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ प्रस्थान संकेत देकर रवाना किया था। च्गरवी गुजरात यात्राज्ञ ट्रेन के अहमदाबाद के कलोल स्टेशन पर पहुंचने पर सभी यात्रियों का गुजराती संस्कृति के अनुरूप गरबा व पुष्प से उनका स्वागत किया गया। स्टेशन पर उनके आगमन पर कारपेट लगाया गया एवं गुजरात की शान "गरबा नृत्य" का आयोजन भी किया गया। इस दौरान यात्रियों ने भी इस परंपरागत नृत्य का आनंद लिया। अभी तक इस ट्रेन के यात्रियों को स्टैचू ऑफ़ यूनिटी, चांपानेर, सोमनाथ मंदिर, भालका तीर्थ, सोमनाथ बीच, द्वारकाधीश टेम्पल, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग व द्वारका का भ्रमण कराया जा चुका है। अहमदाबाद प्रवास के दौरान उनका साबरमती आश्रम, अदालज वाव, अक्षरधाम मंदिर व दाँडी कुटीर का भ्रमण होगा। अंतिम चरण में उन्हें मोढेरा सूर्य मंदिर व पाटन की रानी की वाव भी ले ज़ाया जाएगा। तत्पश्चात् यह ट्रेन सिद्धपुर से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेगी। यादगार यात्रा के दौरान वडोदरा वेरावल, द्वारका व कलोल स्टेशन पर सभी यात्रियों का गुजराती संस्कृति के अनुरूप गरबा व पुष्प से उनका स्वागत किया गया। सभी यात्रियों ने रेलवे द्वारा आयोजित इस टुर की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया। इस टूर पैकेज में सभी यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान की जा रही है। इस ट्रेन में दो रेल रेस्टोरेंट, सीसीटीवी, इंफॉर्मेशन सिस्टम व लाइब्रेरी भी है। गुजरात राज्य अपनी समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक विविधता से परिपूर्ण है। यह रेलगाड़ी टूरिस्ट सर्किट की 17वी ट्रेन है एवं भारतीय रेलवे द्वारा "एक भारत श्रेष्ठ भारत" योजना के अंतर्गत चलाई जा रही है।

# पश्चिम रेलवे ने वर्ष 2022-23 में माल लदान में 100 मिलियन टन का आंकड़ा किया पार

**अहमदाबाद ।**

पश्चिम रेलवे ने अपने इतिहास में पहली बार चालू वित्त वर्ष 2022-23 में माल लदान में 100 मिलियन टन (MT) हासिल किया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 23.61% की भारी वृद्धि दर दर्ज करता है। यह भी उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे की स्थापना के बाद से यह अब तक की सर्वाधिक वृद्धिशील लोडिंग है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र ने इस उपलब्धि के लिए पूरी टीम को बधाई दी और भविष्य में भी इसी गति को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ये प्रयास राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 5 मार्च, 2023 को पश्चिम रेलवे ने यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की और पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 2021-22 में पश्चिम रेलवे ने 7 वर्षों (2014-15 में 87.29 मीट्रिक टन) के बाद अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़कर अपना सर्वश्रेष्ठ 87.91 मीट्रिक टन लोड किया। इस वर्ष, पश्चिम रेलवे ने चालू वित्त वर्ष 2022-23 में 26 दिनों के शेष के साथ पिछले वर्ष की वार्षिक लोडिंग की तुलना में 23.61% (19.11 मीट्रिक टन) की लंबी छलांग लगाई है।

इस मील के पत्थर को बनाते हुए, पश्चिम रेलवे की लोडिंग अब तक के सभी क्षेत्रीय रेलवे में सबसे अधिक वृद्धिशील लोडिंग है। 100 मीट्रिक टन से अधिक लोड करने वाले शीर्ष 5 रेलवे अर्थात ईस्ट कोस्ट रेलवे (ईसीओआर), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीओआर), दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर), पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) और दक्षिण मैध्य रेलवे (एससीआर) परंपरागत रूप से कोयला केंद्रित रेलवे। हैं। पश्चिम रेलवे 100 एमटी क्लब में शामिल होने वाली नवीनतम और विविधीकृत फ्रेट बास्केट के साथ इस क्लब में प्रवेश करने वाली पहली गैर-कोयला बेल्ट रेलवे बन गई है। ठाकुर ने बताया कि फरवरी, 2023 तक भारतीय रेल पर किये गये कुल लदान में पश्चिम रेलवे का योगदान लगभग 15% रहा है। फरवरी, 2023 तक पश्चिम रेलवे का संचयी भाड़ा नेट टन किलोमीटर (NTKM) 2021-22 में 74,967.96 मिलियन किलोमीटर से बढ़कर चालू वर्ष में 95,969.1 मिलियन किलोमीटर हो गया है, जिसमें 28.01% की वृद्धि दर्ज की गई है। यह इस तथ्य के कारण है कि माल ढुलाई में वृद्धि के अलावा फ्रेट लोडिंग में भी वृद्धि हुई है, जो 2021-22 में 941 KM से बढ़कर चालू वित्त वर्ष में 973 हो गई है, जो 3.4 प्रतिशत अधिक है। अब तक, पश्चिम रेलवे ने पिछले वर्ष की तुलना में विभिन्न वस्तुओं के लदान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। कोयले में 136.9% की वृद्धि दर्ज की है जबकि खाद्यान्नों में 58.02% की वृद्धि देखी गई है। पीओएल उत्पादों की लोडिंग में 25.40%, उर्वरक में 16.8%, सीमेंट में 14.85%और कंटेनर लोडिंग में 7.2% की वृद्धि हुई है। पश्चिम रेलवे कंटेनर, उर्वरक और खनिज तेल श्रेणियों में भारतीय रेलवे की समग्र लोडिंग में भी सबसे बड़ा योगदानकर्ता बन गया है। कंटेनरों के लदान में लगभग 34.1%, उर्वरक का 32.6% और खनिज तेल का 22.7% योगदान होता है।

# महिला शक्ति के समग्रतया गौरव-सम्मान के लिए संकल्पबद्ध है राज्य सरकार: भूपेंद्र पटेल

**गांधीनगर ।** मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने साफ तौर पर कहा कि राज्य सरकार गुजरात में महिलाओं के समग्रतया सम्मान व गौरव के लिए संकल्पबद्ध है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को केवल एक दिन मनाने तक सीमित न रहते हुए हम पूरे साल के दौरान हमेशा माता-बहनों यानी नारी शक्ति का सम्मान बनाए रखने को प्रतिबद्ध हैं। यह बात उन्होंने रविवार को गांधीनगर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में कही। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारी को शक्ति स्वरूपा कहा है और हम भी उस शक्ति स्वरूपा का, उनके कार्यों का सदैव आदर्श सम्मान करते रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि 'हर हाथ को काम, हर काम का सम्मान' मंत्र के साथ माता-बहनों के कार्य व उनके योगदान का रोजमर्रा के जीवन में भी सम्मान करें। मुख्यमंत्री ने दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में बनासकांठा की महिला पशुपालकों द्वारा हासिल की गई विशिष्ट उपलब्धियों का गर्व के साथ जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में महिला कल्याण की अनेक योजनाएं लागू की हैं। इतना ही नहीं, 'सशक्त समाज के निर्माण के लिए सशक्त महिला' के कार्य मंत्र के साथ महिला कल्याण के लिए इस वर्ष के बजट में 6064 करोड़ रुपए का आवंटन किया है, जो गत वर्ष के बजट की तुलना में 23 फीसदी अधिक है। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए हमने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में अमृत काल में प्रवेश किया है। ऐसे में यह आवश्यक है कि इस अमृत काल को महिलाओं के सर्वांगीण विकास और कल्याण का भी अमृत काल बनाने के लिए हम सभी सामूहिक प्रयास करें। मुख्यमंत्री ने यह अपेक्षा व्यक्त की कि राज्य की मातृशक्ति के आशीर्वाद और प्रेम से गुजरात की अविरत विकास यात्रा और भी गतिमान बनेगी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अंतर्गत राज्य सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से 5 मार्च को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर स्थित गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती भानुबेन बाबरिया ने कहा कि गुजरात सरकार इस बात को लेकर कटिबद्ध है कि समाज में महिलाएं सम्मान के साथ जीवन जी सकें, दिन-प्रतिदिन उनका गौरव बढ़े और समाज में उनके प्रति व्याप्त कुरिवाज, अन्याय और अत्याचार दूर हों तथा उन्हें सुरक्षा मिले और समाज में समरस वातावरण का निर्माण हो एवं प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ें। श्रीमती बाबरिया ने कहा कि सामाजिक समरसता के हिमायती प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से शुरू हुआ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान बेटियों की शिक्षा का जन अभियान बन गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के सफल, निर्णायक और पारदर्शी नेतृत्व के तहत गुजरात राज्य ने महिला के जीवन चक्र के हरेक चरण में उसके साथ रहकर महिला की जरूरत के अनुसार आवश्यक सेवाएं और सहायता प्रदान कर राज्य की सभी बेटियों, युवतियों और महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक पहलों की शुरुआत की है। श्रीमती बाबरिया ने कहा कि भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, हमारे गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री सहित आज पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक तथा उद्योग, शिक्षा और कला क्षेत्र सहित आंगनवाड़ी से लेकर अंतरिक्ष तक विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं ने बहुत अधिक प्रगति की है।

# मुख्यमंत्री ने गोंडल चौराहे पर सिक्स लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण किया

**राजकोट।**

फ्लाईओवर के कारण नागरिकों के लिए राजकोट, जेतपुर और गोंडल का सफर होगा और भी सुगम व तेज । विकास के पथ पर अग्रसर रहने के संकल्प के साथ कार्य करने वाली सरकार की ओर से राजकोट जिले को सड़क परिवहन के क्षेत्र में एक और सौगात देते हुए राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 89 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से गोंडल चौराहे पर निर्मित सिक्स लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर ब्रिज का उद्घाटन कर जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विधिवत रूप से नारियल फोड़कर और नाम पट्टिका का अनावरण कर फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण किया। उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से निर्मित इस 1.20 किलोमीटर लंबे सिक्स लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर ब्रिज के कारण राजकोट, जेतपुर और गोंडल सहित अहमदाबाद, पोरबंदर और सोमनाथ की यात्रा और अधिक सुगम बनेगी। सिंगल पियर पर समर्थित यह सिक्स लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर दोनों तरफ पर केंटीलीवर पोरियन प्रीकास्ट आरसीसी पर आधारित है। इस फ्लाईओवर ब्रिज के निर्माण से भारी यातायात जाम की समस्या दूर होने के साथ ही सफर सुगम और तेज होगा तथा लोगों की सुविधा में वृद्धि होगी। आने वाले समय में फ्लाईओवर के नीचे लैंडस्कैपिंग का कार्य भी किया जाएगा। इस स्थान पर पौधों और फूलों के बीच आसानी से टहलने की सुविधा तथा अत्याधुनिक कंक्रीट स्ट्रक्चर के साथ नैसर्गिक सौंदर्य के समन्वय का सुंदर दृश्य तैयार किया जाएगा।

# अच्छे स्वास्थ्य के लिए "निमाया ग्रेट रन" में 2500 महिलाओं ने भाग लिया

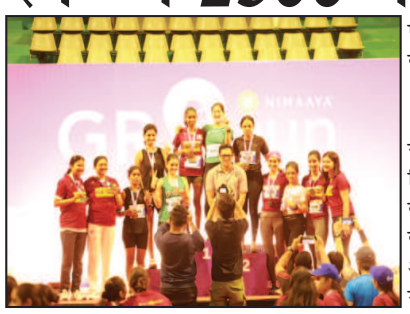

**सूरत भूमि, सूरत।**

निमाया अस्पताल की ओर से महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके तहत ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर 5 मार्च को लगातार छठी बार च्निमाया ग्रेट रन-2023ज्ज आयोजन किया गया। इस दौड़ में 2500 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। इससे पहले 4 मार्च को साइंस सेंटर में ग्रेट एक्टिव एक्सपो और ग्रेट कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया।

समूचे आयोजन को लेकर निमाया अस्पताल डॉ पूजा नाडकर्णी की ओर से कहा कि निमाया लगातार महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का प्रयास कर रही है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देती हैं, तब महिलाओं को जागृत करने की जरूरत है। इसी उद्देश्य के साथ हर साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मैराथन दौड़ च्निमाया ग्रेट रनज्ज का आयोजन किया जाता है। इस बार भी निमाया ग्रेट रन का आयोजन 5 मार्च को सुबह 6 बजे किया गया। जिसमें ट्रैफिक पुलिस विभाग व स्वयं सेवकों का सहयोग मिला। करीब 2500 महिलाओं ने दौड़ में भाग लिया और महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर संदेश दिया।

निमाया ग्रेट रन का आयोजन इंडोर स्टेडियम से किया गया। राज्य गृहमंत्री हर्ष संघवी, जेसीपी डीएच परमार व डीसीपी ट्रैफिक अमिता वनानी ने हरी झंडी दिखाई। केबल स्टेट ब्रिज से इंडोर स्टेडियम पर दौड़ पूरी हुई। प्रत्येक फिनिशर को मेडल से सम्मानित किया गया।

ग्रेट रन से पहले 4 मार्च को निमाया द्वारा पहली बार ग्रेट एक्टिव एक्सपो का आयोजन किया गया। एक्सपो का आयोजन कर योग, जिम सहित स्वास्थ्य संबंधी उत्पाद बेचने वाले सूरत और विशेषकर महिलाओं द्वारा संचालित ब्रांडों को एक मंच प्रदान किया गया। साथ ही साइंस सेंटर आर्ट गैलरी में रनर्स कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। जिसमें 42 किमी की दौड़ पूरी करने वाली करीब 30 महिलाओं को सम्मानित किया गया।

# उत्तर भारतीय क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 2 का भव्य समापन, जौनपुर ब्लास्टर दूसरी बार कप अपने नाम किया

**सूरत भूमि, सूरत। उत्तर भारतीय क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 2 का आयोजन डिंडोली सीआर पाटील ग्राउंड पर किया गया। जिसमें 12 टीमों ने हिस्सा लिया था। 2 दिन तक चले इस टूर्नामेंट में काफी रोमांचक मुकाबले देखने को मिले फाइनल में जौनपुर ब्लास्टर और अयोध्या वारियर्स के बीच कांटे की टक्कर रही, लेकिन अयोध्या वारियर्स को जौनपुर ब्लास्टर ने सभी विभागों में चित कर कप अपने नाम किया। मुख्य अतिथि के रूप में आए ए आर अहिर साहेब ,देवी प्रसाद दुबे डिंडोली के पी आई पठान साहब तथा अन्य अग्रणी गण उपस्थित थे। इन सभी लोगों ने मिलकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और सम्मानित किया। आयोजक शीतला प्रसाद तिवारी ( एस पी तिवारी ), उमेश तिवारी( डेनिश केक्स ), संतोष तिवारी ( वीरू भाई ), राहुल शुक्ला ने उपस्थित मेहमानों का हार्दिक स्वागत किया।**

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत ( गुजरात ) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ ( गुजरात ) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत ( गुजरात ) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, ( न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा )